

BEST EMERGENCY CARE IN TRAUMA, STROKE & HEAD INJURY

जानकी न्यू लाईफ

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

क्रीड़ा संकुल रोड, मरारटोली, गोंदिया - 441614

EMERGENCY

75 108 57 108

हैड इंजरी, कोमा, सरद, ब्रेन ट्यूमर, रीढ़ की हड्डी के उपचार और सर्जरी, न्यूरोलनरी, आर्थोपेडिस, न्यूरो हिवे, इंटनल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, जॉइंट रिप्लेसमेंट, आईसीयू माइब्रुनर ओटी, यूरो सर्जरी, बेस्कुलर सर्जरी..एम.आर.आई, सीटी स्कैन, यूएसजी, एक्स रे, प्रभुति व स्त्री रोग वन..

डॉ. सनी सतीश

जायसवाल न्यूरो सर्जन

डॉ. सौ. पूनम सनी

जायसवाल स्त्री रोग विशेषज्ञ

बालाघाट, सिवनी, मंडला, गोंदिया एवं भंडारा जिले में प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 15 सितम्बर 2026

दिन - मंगलवार

वर्ष-14 वां

पृष्ठ - 12

अंक - 229

मूल्य - 5 रुपये

7 Years

IN HEALTH, CARE & HEALING

SAHAYOG HOSPITAL

निःशुल्क एंजियोग्राफी एवं एंजियोप्लास्टी शिविर

वैधता 31 अगस्त 2026 तक

अभ्युपन भरत जोषन (PMJAY) एवं PMJAY के अंतर्गत निशुल्क एंजियोग्राफी की सुविधा उपलब्ध

91 8888 001 426 / 07182 250006 / 07

● बालाघाट

● वारासिवनी

● कटंगी

● बैहट

● लांजी

● परसवाड़ा

● सिवनी

● बरघाट

● छपारा

● केवलारी

● गोंदिया - भंडारा

● आमगांव

● गोरेगांव

● सालेकसा

● देवरी

● तिरोंड़ा

जहां सोने, चांदी, हीरे जड़ित आभूषणों की हर कृति में मिलता है..

समय का स्पर्श और हर आभा में वंश की गरिमा..

पारंपरा और मशहूरों के 38 साल

शांति ज्वेलर्स..

नया सराफा, मेन रोड, बालाघाट

एमसीडी ने 40 इमारत ढहाई, आठ को सील किया..

नयी दिल्ली, (भाषा)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने पेड़ों गेस्ट (पीजी) आवासों के सर्वेक्षण के दौरान स्पष्ट रूप से खतरनाक स्थिति में पाई जाने वाली इमारतों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की योजना बनाई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि नगर निकाय ने सोमवार को 40 इमारतों को ढहा दिया और आठ अन्य संपत्तियों को सील किया। यह कार्रवाई दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में पिछले सप्ताह पांच मंजिला इमारत के ढहने के बाद की गई है। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। इस इमारत में छत्र रह रहे थे। नगर निकाय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'मालिकों को पहले स्वेच्छा से ऐसी संरचनाओं को ध्वस्त करने का अवसर दिया जाएगा, ऐसा न करने पर एमसीडी उनके खिलाफ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करेगी। एमसीडी की एक रिपोर्ट के अनुसार, सर्वेक्षण के दौरान अब तक लगभग 2,453 ऐसी इमारतों की पहचान की गई है, जो पीजी आवास के रूप में संचालित हो रही हैं और इनमें से चार इमारतें स्पष्ट रूप से खतरनाक पाई गई हैं।

क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100/- प्रतिदिन..

दैनिक जगप्रेरणा में क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100 /- प्रतिदिन में प्रकाशित किये जाते हैं। कृपया संपर्क करें.. मो. 9329033433

मुख्यमंत्री मोहन यादव आते हैं तो बालाघाट जिले के चारों कांग्रेस विधायक सवाल उठाने की बजाए दोस्ताना रवैया अपनाते हैं..

क्या प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतु पटवारी भी दिखावे की राजनीति करने आ रहे बालाघाट ? दो महीने से बालाघाट में आदिवासी बच्चों की मौत पर आखिर क्यों नहीं उबला प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतु पटवारी का आक्रोश..

बालाघाट आ रहे तो बिना आदिवासी अंचलो का दौरा किये चंद लम्हो की भाषणबाजी तक क्यों सीमित रखा गया प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का दौरा कार्यक्रम.. उठ रहे सवाल..

जगप्रेरणा बालाघाट। मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में कांग्रेस विधायकों और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतु पटवारी सहित पूरी कांग्रेस का अलग ही खेल चल रहा है। देखा जाए तो एक तरफ मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने किसानों से चुनाव के पहले किया

वादा धान का समर्थन मूल्य 3100 रुपये चुनाव के ढाई साल बीत जाने के बाद भी अभी तक नहीं किया है, तो वहीं किसानों के साथ की गई धोखाधड़ी के साथ ही बालाघाट में एथेनॉल और चावल घोटाला, डबल मनी कांड, कटंगी के नांदी में बिसेन दंपति की मौत सहित अनेक ऐसे मामले हैं जहां पर सरकार, पुलिस और प्रशासन की नाकामियां सामने हैं, तथा इन मामलों में सरकार की ओर से भी प्रशासनिक अधिकारियों को मनमानी की छुट मिली हुई है। इन सभी मामलों में विपक्ष के विधायक के रूप में सरकार

के खिलाफ प्रदर्शन करने की जिम्मेदारीयां कांग्रेस विधायकों के कांधों पर है, तथा इन मामलों में कांग्रेस विधायकों की बालाघाट जिले में कमजोर भूमिकाएं सवालों के घेरे में है, वहीं अब तो हद ही हो गई है कि जिले के आदिवासी अंचलों में विगत दो माह में अब तक 32 आदिवासी बच्चों की सिलसिलेवार ढंग से उपचार के अभाव और समय पर उपचार नहीं मिलने से मौत हो चुकी है, लेकिन जहां विपक्षी विधायकों के रूप में बालाघाट के कांग्रेस विधायकों में विधायक और जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष संजय सिंह उड़के, विधायक मधु भगत, विवेक पटेल और अनुभा मुंजारे ने

कोई ठोस विपक्षी भूमिका नहीं निभाई और दमदार प्रदर्शन नहीं किया, वहीं आदिवासी आंदोलन में भी कांग्रेस के विधायक बराबरी से शामिल नहीं हुए, कांग्रेस विधायकों के इस तरह के रवैये के कारण जहां बालाघाट में कांग्रेस विधायकों की भूमिकाएं सवालों के घेरे में है, वहीं कांग्रेस विधायकों के साथ ही अब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतु पटवारी की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। गौरतलब है कि बालाघाट जिले के राजनीतिक हलकों में विधायकों के कर्तव्य निर्वहन में कमियों के चलते उनके भाजपा में जाने की अटकलें भी सुनाई देती रहती है।

मुख्यमंत्री आए तो सवाल पूछने और कार्यवाही का दबाव बनाने आगे नहीं आए कांग्रेस विधायक..

गौरतलब है कि जिले में आदिवासी बच्चों की सिलसिलेवार ढंग से मौतें होने लगी, तो प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव खुद भी प्रभावित ग्रामों का दौरा करने के लिये पहुंचे। अब जब मुख्यमंत्री मोहन यादव का जिले में आगमन हुआ, तो यह दायित्व था कि कांग्रेस के चारों विधायक एकजुट होकर बड़ा प्रदर्शन करते, मुख्यमंत्री से सवाल करते, तथा प्रभावित ग्रामों में की गई कमियों के लिये तत्काल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित जिम्मेदारों के निलंबन के लिये प्रदर्शन करते, लेकिन ऐसा सब करने की बजाए कांग्रेस के चार में से सिर्फ दो विधायक संजय उड़के और विधायक मधु भगत ही मुख्यमंत्री से मिलने के लिये पहुंचे, तथा कांग्रेस के ये दो विधायक भी ऐसे शामिल हुए, जैसे कि विपक्ष के विधायक नहीं बल्कि सत्तापक्ष के विधायक हैं। इन्होंने कोई सवाल नहीं किये, कोई दबाव नहीं बनाया। कोई प्रदर्शन नहीं किया, बल्कि दोस्ताना औपचारिकताएं निभाई, और मानो इनकी जवाबदारियां खत्म हो गईं।

पुरी मोहन यादव सरकार का हो गया दौरा अब क्यों आ रहे जीतु पटवारी ?

गौरतलब है कि आदिवासी अंचलों में जब आदिवासी बच्चों की मौत की खबरें प्रकाशित होने लगीं, तो जिले से लेकर प्रदेश तक हड़कंप मच गया। जानकारी मिली तो प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल, प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह, आदिवासी विकास मंत्री कुंवर विजय शाह तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी बालाघाट जिले के प्रभावित ग्रामों में दौरा करने के लिये पहुंचे, और उन्होंने आदिवासी परिवारों से बात की, तथा उनकी स्थिति का अवलोकन करने के लिये निरंतर स्वास्थ्य विभाग, जिला प्रशासन एवं महिला बाल विकास सहित समस्त विभागों को काम पर लगा दिया, साथ ही प्रशासनिक कार्यवाही भी की, हालांकि कुछ दिन पहले कांग्रेस के विपक्ष के नेता उमंग सिंघार भी अंचलों में पहुंचे, लेकिन बीते एक महीने में इतने दिगजों के दौरे के बीच जब तक की जिले में स्थित भयावह बनी हुई थी, तब तक तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतु पटवारी ने बालाघाट के प्रति अपनी जवाबदारियों को नहीं समझा ? तो सवाल यह उठता है कि अब जबकि स्थितियां नियंत्रण में है, तो फिर जीतु पटवारी क्या सिर्फ विपक्ष के नेता के रूप में औपचारिकता निभाने आ रहे हैं।

चंद लम्हो की भाषणबाजी, आदिवासी अंचलो का दौरा क्यों नहीं ?

गौरतलब है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतु पटवार के दौरा कार्यक्रम के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार जीतु पटवार गोंडवाना एक्सप्रेस से भोपाल से गोंदिया आएंगे, और फिर दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक प्रदर्शन में शामिल रहेंगे, तथा इसके उपरांत जीतु पटवारी भोपाल के लिये रवाना हो जाएंगे, तो सवाल यह उठता है कि जब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बालाघाट आ ही रहे थे, तो उन्होंने बालाघाट जिले के प्रभावित ग्रामों का दौरा करने के लिये पर्याप्त समय क्यों नहीं सुनिश्चित किया। क्या अपनी आंखों से स्थितियों का अवलोकन करने की आवश्यकता पटवारी ने नहीं समझी, या फिर जीतु पटवारी सिर्फ औपचारिकता निभाने ही आ रहे हैं, सवाल तो उठता है।

15 साल से विधायक संजय उड़के ने बैहट क्षेत्र के लिये क्या किया ?

गौरतलब है कि बालाघाट जिले के बैहट विधानसभा क्षेत्र की वर्तमान स्थितियों पर गौर किया जाए तो बैहट विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों की सबसे बड़ी समस्या ही स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर रही है। बैहट विधानसभा क्षेत्र में विधायक संजय उड़के के पिता स्व. गणपत सिंह उड़के भी कांग्रेस के विधायक और मंत्री रहे, जबकि वहीं कांग्रेस के विधायक संजय उड़के खुद भी तीसरी बार बैहट विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त कर चुके हैं, लेकिन देखा जाए तो बीते वर्षों में संजय उड़के ने कभी भी बैहट की तकदीर बदलने के लिये कोई ठोस कदम और ठोस संघर्ष नहीं किया। इसका परिणाम यह रहा कि बालाघाट जिले के बैहट अंचल की तस्वीर कभी सुधर ही नहीं पाई। बैहट विधानसभा क्षेत्र के आदिवासी अंचल एक तरफ नक्सलप्रभावित होने का खामियाजा भुगतत रहे, वहीं शासन एवं प्रशासन के स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं गांव गांव और गली गली तक कैसे पहुंचे, और कैसे वनों से घिरे आदिवासी अंचलों को विकास की परिभाषा समझाई जा सके, इसके लिये संजय उड़के ने कोई प्रयास नहीं किये।

विधायक संजय उड़के ने अपने बैहट विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिये कितने आंदोलन किये, बैहट को जिला बनाने के लिये कितना संघर्ष किया, कितनी बार पदत्यागों की, अंचलों में जाकर कितने लोगों का कितनी समस्याएं हल की, यह सवाल अब जनता विधायक संजय उड़के से भी पूछ रही है। बैहट क्षेत्र में आदिवासी बच्चों की मौतों के सिलसिले से विधायक संजय उड़के के प्रयासों की पोल भी खुल चुकी है, तथा जनता उन्हें ना कोसे इसलिये विधायक संजय उड़के सरकार के खिलाफ मजबूरन औपचारिक प्रदर्शन कर रहे हैं, तथा सिर्फ मौडिया बयानबाजी तक ही विधायक सीमित दिखाई दे रहे हैं।

बालाघाट में स्वयं का गला रेतकर युवक ने किया आत्महत्या का प्रयास, पुलिस ने पकड़कर हाथ-पैर बांधे

इलाज कराने से कराता रहा इनकार.. हालत नाजुक..

जगप्रेरणा बालाघाट। बालाघाट नगर मेकं सोमवार 14 सितंबर को सुबह भटेरा चौकी क्षेत्र के वार्ड नंबर-2 में उस समय हड़कंप मच गया, जब 32 वर्षीय युवक ने सब्जी काटने वाले चाकू से अपना गला रेतकर आत्महत्या का प्रयास किया। घटना के बाद पुलिस की मदद से युवक को 108 एम्बुलेंस के जरिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचते ही उसने

इलाज कराने से इनकार कर दिया। वह अस्पताल परिसर में इधर-उधर भागता रहा। करीब एक घंटे तक युवक को समझाने और उपचार के लिए तैयार करने के प्रयास चलते रहे। इस दौरान अस्पताल चौकी पुलिस, कोतवाली पुलिस, चिकित्सक, वार्ड बॉय, एम्बुलेंस चालक-परिचालक सहित अन्य कर्मचारी उसके पीछे दौड़ते

नजर आए। जानकारी के अनुसार भटेरा चौकी क्षेत्र के पटेल गली वार्ड नंबर-2 निवासी 32 वर्षीय हरितोष पिता स्व. चिंतामन दशरिये सोमवार सुबह घर पर अकेला था।

अज्ञात कारणों के चलते उसने सब्जी काटने वाले चाकू से अपने गले पर वार कर लिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को 108 एम्बुलेंस से जिला अस्पताल लेकर आई। अस्पताल पहुंचने के बाद युवक ने उपचार कराने से साफ इनकार कर दिया और वहां से भागने का प्रयास करने लगा। चिकित्सकों और पुलिसकर्मियों ने उसे समझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन वह किसी की बात सुनने को तैयार नहीं था।

इस दौरान अस्पताल परिसर में करीब एक घंटे तक अपरा-तप्परी की स्थिति बनी रही। युवक के लगातार विरोध करने और उपचार से इनकार करने पर पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। उसके पास से चाकू भी जब्त कर लिया गया। इसके बाद युवक को कैजुअल्टी में ले जाकर उपचार शुरू करने का प्रयास किया गया। यहां भी उसने भागने की कोशिश की। स्थिति को देखते हुए अस्पताल चौकी पुलिसकर्मियों, चिकित्सकों और अस्पताल कर्मचारियों ने उसे पलंग पर लिटाकर नियंत्रित किया और उसके हाथ-पैर बांधकर उपचार शुरू

कराया। बताया जा रहा है कि युवक की हालत नाजुक है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर उपचार के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किए जाने की बात सामने आ रही है।

मां ने कहा.. मालुम नहीं बेटे ने ऐसा क्यों किया ?

पुलिस को दिए बयान में युवक की मां रेखाबाई पति स्व. चिंतामन दशहरे (65) ने बताया कि उनके दो बेटे थे। बड़े बेटे की करीब 25 वर्ष पहले सर्पदंश से मौत हो चुकी है। छोटा बेटा हरितोष उनके साथ रहता है। रेखाबाई के अनुसार रविवार 13 सितंबर को वह ग्राम भटेरा स्थित अपने मामा के घर गई थीं। सोमवार सुबह उनके मामा के घर दो युवक पहुंचे और बताया कि उनके बेटे ने चाकू से अपना गला काट लिया है। इसके बाद वह युवकों के साथ अपने घर पहुंचीं, जहां डायल-112 पुलिस हरितोष को पकड़ने का प्रयास कर रही थी और वह भाग रहा था। पुलिस की मदद से उसे एम्बुलेंस के जरिए जिला अस्पताल लाया गया, जहां उसने उपचार कराने से इनकार कर दिया। रेखाबाई ने पुलिस को बताया कि उनके बेटे ने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

Happy Birthday

तुम्हारी हर मुस्कान ज़िंदगी को रोशन करे, तुम हमेशा खुश रहो, यही दुआ है हमारी...

मो. हसीब

जिला प्रतिनिधि

जगप्रेरणा सिवनी के प्यारे बेटे

मो. फजलैन

को जन्मदिन की बहुत बहुत मुबारकबाद..

शुभेच्छु -

अम्मी-अब्बू, दादा-दादी, नाना-नानी, चाचा-चाची, मामा-मामी, बुआ- फुफा, भाई-बहन एवं सभी मित्र व शुभचिंतक

हमेशा खुश रहो हमेशा आगे बढ़ो खुशियों से भरा रहे तुम्हारा हर कल..

Best Wishes Always...

+ CMYK

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शान्ति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुबेर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..

मार्गदर्शक
डॉ. अरविदचन्द्र तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
व्योतिष पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.

ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर,
शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800

जग प्रेरणा

live शहर बालाघाट

● गर्ग ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोगलाई

मान्यता

ऑटो पार्क्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियां सुधारी जाती है।

HERO **BAJAJ** **HONDA** **TVS** **मनीष वर्मा**
मो. 9425448126

वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्प्लेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

जमुनिया डैम में मामूली सीपेज, एसडीएम ने दो घंटे तक निरीक्षण कर बताई स्थिति सामान्य..

नहर से पानी छोड़कर डैम का दबाव घटाने की कार्रवाई शुरू..

जगप्रेरणा बालाघाट। जमुनिया डैम में पानी के मामूली सीपेज की सूचना के बाद प्रशासन एवं जल संसाधन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर डैम की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। एसडीएम कटंगी विजय सिंह यादव की मौजूदगी में

तहसीलदार पन्तू लाल शांडिल्य, जल संसाधन विभाग के इंजीनियर योगेंद्र ठाकुर एवं सब इंजीनियर प्रकाश कुमार परते ने करीब दो घंटे से अधिक समय तक डैम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डैम में एक छोटे से सीपेज के माध्यम से पानी का रिसाव पाया गया। स्थिति को देखते हुए एसडीएम के निर्देशन में जल संसाधन विभाग की टीम ने नहर में पानी छोड़कर डैम पर पड़ रहे जल दबाव को तत्काल कम करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। विभाग के अनुसार अगले 24 से 48 घंटों में डैम का जलस्तर सीपेज के जलस्तर तक आने की संभावना है। इसके बाद सीपेज के कारणों का तकनीकी परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।



अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील

एसडीएम विजय सिंह यादव ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी अथवा अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि डैम की स्थिति सामान्य है और फिलहाल किसी प्रकार के खतरे की बात नहीं है। प्रशासन एवं संबंधित विभाग की टीमों मौके पर लगातार निगरानी कर रही है। नागरिक धैर्य बनाए रखें और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।

नहर के आसपास सावधानी बरतने के निर्देश

डैम का दबाव कम करने के लिए नहर में पानी छोड़े जाने के कारण एसडीएम ने नहर के किनारे स्थित ग्राम गुनाड़ी, जमुनिया, बनेरा, कटेरा, वोपली, अगासी, सिरपुर एवं भजियापार के नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोग अपने बच्चों एवं मवेशियों को नहर के पास न जाने दें, ताकि किसी भी प्रकार की अग्रिय घटना से बचा जा सके।

राजस्व, जल संसाधन और पुलिस की टीमें तैनात

एसडीएम ने बताया कि सीपेज की स्थिति की लगातार निगरानी के लिए राजस्व एवं जल संसाधन विभाग के कर्मचारियों की टीम तैनात कर दी गई है। कर्मचारी निरंतर डैम की स्थिति पर नजर रख रहे हैं। वहीं, थाना प्रभारी कटंगी के माध्यम से पुलिस बल भी मौके पर तैनात किया गया है, ताकि सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे।

जल संसाधन विभाग के इंजीनियर ने बताया कि डैम की वर्तमान स्थिति से वरिष्ठ अधिकारियों को भी अवगत करा दिया गया है। प्रशासन द्वारा स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है तथा आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकसेवक के समर्पण को जन-जन तक पहुंचाएगी भाजपा: नीता पटेरिया

जगप्रेरणा बालाघाट। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से उनके लोकसेवक के रूप में 25 वर्षों की निरंतर सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में सोमवार को जिला भाजपा कार्यालय में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन



राजनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि जनता के प्रति हमारी जवाबदेही.. सेवा संकल्प अभियान को लेकर आयोजित हुई पत्रकार वार्ता..

किया गया। जिसमें अभियान के अंतर्गत मंडल व जिला स्तर पर आयोजित होने वाले 13 प्रमुख बिंदुओं और विभिन्न सेवा कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी वार्ता की मुख्य वक्ता, श्रीमती नीता पटेरिया, पूर्व सांसद, विधायक सिवनी, भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष ने साझा की। जिसमें लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारिता की सराहनीय भूमिका रही।

25 वर्षों का कार्यकाल भारत का स्वर्णिम अध्याय : नीता पटेरिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जीवन जनसेवा, राष्ट्र निर्माण और अंत्योदय के संकल्प को समर्पित रहा है। वार्ता में यह कहते हुए मुख्य वक्ता, श्रीमती नीता पटेरिया, पूर्व सांसद, सिवनी ने कहा, गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के

स्वच्छता अभियान, टीबी मुक्त भारत एवं निक्षय मित्र, आंगन का मिलन आंगनवाड़ी कार्यक्रम, सेवा चित्र चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता, सेवा सेतु-सरकार आपके द्वार, कहानी बदलाव की, सेवा ज्योति यात्रा, सेवा के रंग, वोकल फॉर लोकल एवं स्वदेशी प्रोत्साहन, जनसेवक महाकुंभ। जैसे रचनात्मक कार्य शामिल हैं। पार्टी का हर कार्यकर्ता इन 30 दिनों में जनता के बीच रहकर सेवा कार्यों को गति देगा।

हर नागरिक तक सेवा का लाभ : रामकिशोर कावरे

संगठन स्तर पर अभियान की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। 13 बिंदुओं के आधार पर तय कार्यक्रमों को जिले के सभी मंडलों में सुचारु रूप से संचालित करने के लिए जिम्मेदारियों सौंप दी गई हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने कहा, हमारा लक्ष्य हर नागरिक तक इस सेवा अभियान का लाभ पहुंचाना है।

पत्रकार वार्ता में भाजपा प्रदेश मीडिया पैनेलिस्ट निशांत बिसेन ने भी इस विषय में प्रमुख जानकारी दी। पत्रकार वार्ता का सफल संचालन भाजपा जिला मीडिया प्रभारी हेमेंद्र क्षीरसागर ने किया एवं आभार प्रदर्शन भाजपा जिला मीडिया सह प्रभारी जितेंद्र जितु चौधरी द्वारा आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर जिले के समस्त वरिष्ठ मूर्धन्य पत्रकार गण सहित पार्टी के प्रमुख पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहकर भव्य पत्रकार वार्ता को सफल बनाने में अमूल्य योगदान दिया।

बैगा बच्चों की मौत मामले में निष्पक्ष जांच कर बाहरी इनफ्लुएंसरों पर कार्रवाई करे - दिनेश धुर्वे

आदिवासी विकास परिषद की पत्रकार वार्ता में सरकार पर सवाल, बैगा संस्कृति पर कथित टिप्पणी की निंदा..

जगप्रेरणा बालाघाट। मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद के जिला अध्यक्ष दिनेश धुर्वे एवं पदाधिकारियों ने सोमवार 14 सितंबर को स्थानीय सर्किट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर बैगा आदिवासी बच्चों की मौत के मामले में सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले



की निष्पक्ष जांच कराने, जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने तथा पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग के साथ ही बैगा समाज एवं स्थानीय पत्रकारों के संबंध में कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी और व्यवहार करने वाले बाहरी पत्रकारों, सोशल मीडिया इनफ्लुएंसरों एवं यूट्यूबर्स के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की है।

बोले दिनेश धुर्वे..

जिला अध्यक्ष दिनेश धुर्वे ने कहा कि बैगा बच्चों के पीड़ित परिवारों से मुलाकात करने के लिए कॉन्फ्रेंस जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके बालाघाट पहुंचे थे। इस दौरान कुछ बाहरी पत्रकारों, सोशल मीडिया इनफ्लुएंसरों एवं यूट्यूबर्स द्वारा उनसे जिस तरह सवाल-जवाब किए गए, उसमें सवाल पूछने का तरीका ऐसा था, जैसे किसी बड़े मंत्री, विधायक या सांसद से पूछताछ की जा रही हो। दिनेश धुर्वे ने

आरोप लगाया कि संबंधित इनफ्लुएंसरों एवं यूट्यूबर्स का व्यवहार बेहद आपत्तिजनक था। संबंधित लोग पत्रकार कम और गुंडे ज्यादा नजर आ रहे थे। उन्होंने कहा कि घटनाक्रम के दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया था और अभिजीत दीपके के साथ कथित रूप से ऐसा वातावरण निर्मित हुआ, जिससे उनके साथ प्राणघातक हमला होने की आशंका पैदा हो गई थी। परिषद ने प्रशासन से ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की।

बैगा संस्कृति पर कथित टिप्पणी से समाज अहत..

परिषद अध्यक्ष ने आदिवासी समाज और संस्कृति को लेकर की गई कथित टिप्पणियों का भी विरोध किया। उन्होंने कहा कि बैगा समाज की अपनी विशिष्ट संस्कृति, परंपराएं और जीवन पद्धति है। किसी भी व्यक्ति द्वारा समाज की संस्कृति को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करना आदिवासी समाज की भावनाओं को अहत करने वाला है। उन्होंने उस कथित टिप्पणी को भी निंदा की, जिसमें बैगा संस्कृति को बच्चों की मौत का कारण बताए जाने की बात सामने आई है। परिषद ने कहा कि बच्चों की मौत जैसे गंभीर मामले को किसी समुदाय की संस्कृति से जोड़ना उचित नहीं है। समाज की गरिमा और भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

सरकार की विफलता बताया, जिम्मेदारी तय करने की मांग

दिनेश धुर्वे ने बैगा आदिवासी बच्चों की मौत को गंभीर विषय बताते हुए इसे सरकार की विफलता करार दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले को सामान्य घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पूरे मामले की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए और प्रभावित परिवारों को न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छ पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति को लेकर शासन-प्रशासन को गंभीरता से काम करने की जरूरत है। विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समुदाय के बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। एफआईआर और न्यायालय की शरण की बात

पत्रकार वार्ता में परिषद पदाधिकारियों ने कहा कि पूरे घटनाक्रम को लेकर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दिनेश धुर्वे ने बताया कि संबंधित इनफ्लुएंसरों एवं अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर परिषद न्यायालय की शरण भी लेगी।

धम्म संस्था का मुख्य उद्देश्य शीलवान समाज का निर्माण – डॉ. चरनदास ढेंगरे

जगप्रेरणा बालाघाट। भारतीय बौद्धों की सर्वोच्च धम्म संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया अर्थात भारतीय बौद्ध महासभा जिसके राष्ट्रीय कायध्वक्ष एवं ट्रस्टी तथा समता सैनिक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बोधिसत्व डा.बाबा साहेब आंबेडकर के पौत्र डा.भीमराव यशवंतराव आंबेडकर के कुशल नेतृत्व से



संपूर्ण भारत में एवं म.प्र. में डॉ. चरनदास ढेंगरे अध्यक्ष म.प्र. राज्य शाखा के कुशल नेतृत्व एवं निदेश से धम्म कारवां गतिमान हो रहा है। इसी कारवां को गति प्रदान करते हुए सभी शाखाओं का गठन / पुनर्गठन संस्था के सौंधान अनुसार किया जा रहा है।

इसी परिपेक्ष में जिला एवं नगर शाखा बालाघाट पुनर्गठन (निर्वाचन) दिनांक 13 सितंबर 2026 को स्थानीय शिव मंगल भवन बूढ़ी बालाघाट में सैकड़ों उपसक्त उपसिकाओं एवं सदस्यों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता एवं निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. चरनदास ढेंगरे अध्यक्ष केन्द्रीय शिक्षक एवं जीओसी म.प्र. द्वारा की गई थी।

प्रमुख अतिथि निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. शांताराम वाघ उपाध्यक्ष एवं केन्द्रीय शिक्षक म.प्र. शाखा इंदौर, हेमलता डोंगरे उपाध्यक्ष, केन्द्रीय शिक्षिका, आर.के.कठने सचिव केन्द्रीय शिक्षक, राजकपुर कामडे कार्या. सचिव एवं केन्द्रीय शिक्षक म.प्र. बालाघाट थे।

प्रथम सत्र में बालाघाट एवं संपूर्ण जिले से उपस्थित कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों के साथ सामूहिक पूजा वंदना के पश्चात सभी अतिथियों ने संगठन, उद्देश्य एवं धम्म कार्य हेतु पदाधिकारी कैसा हो आदि पर मार्गदर्शन किया। समारोह के अध्यक्ष डॉ. चरनदास ढेंगरे द्वारा अपने मार्गदर्शन में बताया गया कि धम्म संस्था का मुख्य उद्देश्य शीलवान समाज का निर्माण, सभी पदाधिकारी संस्था के उद्देश्यपूर्ण हेतु निष्ठा से निरंतर कार्य करें। इसी प्रकार प्रमुख अतिथि डॉ. शांताराम वाघ सर ने महत्वपूर्ण जानकारी देते हुये बताया कि

दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया की शाखाओं का किया पुनर्गठन.. अशोक कुमार मेश्राम जिलाध्यक्ष, अमिराज मेश्राम जिला महामंत्री, प्रफुल (राजा) डोंगरे नगर अध्यक्ष पद पर चयनित.. कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी दो नाव पर सवारी ना करें- बोले डॉ. शांताराम वाघ

सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता दो नांव की सवारी ना करें, एवं कार्यकर्ता कैसा हो आदि पर जानकारी दी। तत्पश्चात डॉ. चरनदास ढेंगरे द्वारा शाखा को भंग कर नवीन शाखा निर्माण हेतु सभी से सहमति पत्र आमंत्रित कर निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ नवीन शाखा की घोषणा की गई। जिसमें जिला शाखा के लिए अशोक कुमार मेश्राम (बालाघाट) जिलाध्यक्ष, अमिराज मेश्राम महामंत्री (बालाघाट), हेमलता ताई डोंगरे (बालाघाट), खुशीयाल मेश्राम उपाध्यक्ष (संस्कार), प्रमीला ताई चौहान उपाध्यक्ष (महिला विभाग) बी. आर. रामटेके (उपाध्यक्ष संरक्षण), सचिव हेतु रविन्द्र कुमार शेण्डे किरनापुर, पृथ्वीराज चौरे वारासिवनी, गजेन्द्र कुमार नागदेवे लांजी, आर. सी. मनयंटे बालाघाट, शीतल कावडे बालाघाट, रोमेश मेहरा (मासुरकर) बालाघाट, शैलेश सुखदेवे बालाघाट, संघटक के पद पर देवानंद रंगाे हट्टा,

हरिदास मेश्राम किरनापुर, रबशील मेश्राम वारासिवनी, इंद्रकला कठने मोहागव (रामपायली), धरम श्यामकुंवर बिरसा, पुरनलाल मेश्राम (भानेगांव) लांजी, धराराज खोब्रागडे (बेहरई) लालबरी, इस प्रकार कार्यकारिणी सदस्यों में आनंद कुमार रामटेके लांजी, तिलकचंद राजभिये आलेझरी, मंजु मेहेंद्र सुर्यवंशी किरनापुर, के.एल. धाकडे बैहर तथा नगर शाखा में प्रफुल (राजा) डोंगरे अध्यक्ष, महासचिव इंजी. डी. डोंगरे, पूर्णिमा गनवीर उपाध्यक्ष (संस्कार), प्रमीला पटले उपाध्यक्ष (महिला विभाग), आनंदराम वैध उपाध्यक्ष (संरक्षण), आयुष मेश्राम कार्य. सचिव, सचिव पद हेतु सभी-अल्का मेश्राम, श्रद्धा गडपाल, रीता चौहान, बुधराम भोतेकर, स्मीता उके, सपना नागवंशी, संघटक हेतु सभी- उर्मिला मेश्राम, श्यामाताई डोंगरे, उर्मिला ताई वासनिन, मीनाक्षी डोंगरे आदि का चयन कर दोनों शाखाओं के पुनर्गठन की घोषणा कर कार्यवाही सम्पन्न की। जिले एवं प्रदेश के वरिष्ठों के मार्गदर्शन से बालाघाट मुख्यालय के दस एवं जिले की सभी तहसीलों के शेष पदों पर शाखा में स्थान दिया गया।

उक्त समारोह में मुख्यालय सहित दस तहसील के सैकड़ों पदाधिकारी शामिल रहे। में दोनों शाखाओं को शाखा मान्यता पत्र देकर सभी का अभिनंदन किया गया। संस्था के पूर्व राष्ट्रीय संगठक दिवंगत सी एल बौद्ध साहब रिटायर तहसीलदार दतिया एवं बालाघाट के पूर्व जिलाध्यक्ष दिवंगत एस एल रंगारे सर को श्रद्धांजलि दी गई।



जगप्रेरणा फोटो कैप्शन

बालाघाट जिला भाजपा कार्यालय में भगवान श्री गणेश की प्रतिमा की स्थापना की गई, इस अवसर पर श्वेता-सौरभ जैन ने मुख्य यजमान के रूप में पूजा-अर्चना का धार्मिक दायित्व निभाया। प्रतिमा स्थापना के दौरान समूचा कार्यालय परिसर 'गणपति बप्पा मोरया' और जयकारों से गुंजायमान हो उठा। इसके पश्चात भव्य आरती का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित जनसमुदाय एलने नेताओं ने विघ्नहर्ता से जिले की समृद्धि, सुख-शांति और जन-कल्याण की मंगल कामना की। चिब इसी अवसर का..।

विज्ञापन आमंत्रित है..

मो. हासिब खान

जिला सिवनी

संपर्क - मो. 7898530101

जग प्रेरणा

live

3

मंगलवार 15 सितंबर 2026

जिला सिवनी

बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

सेवा संकल्प केवल कार्यक्रम नहीं, 25 वर्षों की जनसेवा को जनता तक पहुंचाने का अभियान - गौरव पारधी..

25 साल की जनसेवा से विकसित भारत-2047 तक: 17 सितंबर से भाजपा का 'सेवा संकल्प अभियान' सिवनी में पत्रकार वार्ता में अभियान की रूपरेखा जारी.. 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक होंगे 13 प्रमुख कार्यक्रम..

जगप्रेरणा सिवनी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप में 25 वर्ष की सार्वजनिक सेवा यात्रा पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश

द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। अभियान के अंतर्गत जिले में 13 प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसकी जानकारी भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी गई।

पत्रकार वार्ता भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन की अध्यक्षता में संपन्न हुई। पत्रकार वार्ता को भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं कटौती विधायक गौरव पारधी ने संबोधित किया। अभियान के जिला प्रभारी एवं भाजपा जिला महामंत्री गजानंद पंचेश्वर ने कार्यक्रमों की तिथिवार रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि सिवनी विधानसभा प्रभारी एवं जिला महामंत्री संतोष अग्रवाल ने विधानसभा क्षेत्र में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी।

सेवा संकल्प केवल कार्यक्रम नहीं, 25 वर्षों की जनसेवा को जनता तक पहुंचाने का अभियान : गौरव पारधी

पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं कटौती विधायक गौरव पारधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन की यात्रा केवल सत्ता में रहने की यात्रा नहीं, बल्कि सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण की निरंतर यात्रा है। मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक उन्होंने गरीब, किसान, युवा, महिला और वंचित वर्ग को विकास की मुख्यधारा से



जोड़ने के लिए निरंतर कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्षों के जनसेवा कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने और सेवा को संगठन तथा समाज के माध्यम से आगे बढ़ाने का अभियान है। इसका उद्देश्य केवल उपलब्धियां गिनाना नहीं, बल्कि उन योजनाओं से लाभान्वित वास्तविक लोगों तक पहुंचना है, जिनके जीवन में सरकारी योजनाओं ने सकारात्मक बदलाव किया है।

श्री पारधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की भावना के साथ देश को विकसित भारत के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ाया है। अब वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को जनभागीदारी के माध्यम से साकार करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा और पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करेगा।

17 सितंबर को सेवा दिवस, रक्तदान और 'आशीर्वाद' का दीया

श्री पारधी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर को 'सेवा दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस दिन

रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। शाम 7 बजे 'आशीर्वाद' का दीया कार्यक्रम के तहत स्थानीय जलाशयों, देवालियों और घरों में दीप प्रज्वलित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि यह दीप केवल प्रधानमंत्री मोदी के दीर्घ सार्वजनिक जीवन के प्रति आभार का प्रतीक नहीं होगा, बल्कि विकसित भारत-2047 के संकल्प का भी प्रतीक बनेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों से इस कार्यक्रम में सहभागिता का आह्वान किया।

गांव-गांव पहुंचेगा सेवा, सुशासन और जनकल्याण का संदेश..

गौरव पारधी ने कहा कि अभियान के दौरान सेवा गतिविधियों को व्यापक स्वरूप दिया जाएगा। 2 अक्टूबर को स्वच्छता अभियान आयोजित होगा। विद्यार्थियों को विकसित भारत के संकल्प से जोड़ने के लिए चित्रकला, ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। नाटक और नुक्रड नाटकों के माध्यम से केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि 'आंगन मितन सेवा' के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्रों में पोषण,

स्वास्थ्य एवं महिला कल्याण से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। वहीं 'सेवा' की कहानी कार्यक्रम में सरकारी योजनाओं से लाभान्वित वास्तविक हितग्राहियों के अनुभवों को जनता तक पहुंचाया जाएगा।

हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए लगेंगे शिविर

श्री पारधी ने कहा कि 'सेवा' सेतु अभियान के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्रों में विकासखंड स्तर पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना और उन्हें योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में आवश्यक सहयोग देना होगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रयास है कि कोई भी पात्र व्यक्ति जानकारी या प्रक्रिया के अभाव में शासन की कल्याणकारी योजना से वंचित न रहे।

7 अक्टूबर को 'सेवा ज्योति कलश यात्रा'

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप में 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 7 अक्टूबर को 'सेवा ज्योति कलश यात्रा-विकसित भारत का संकल्प' आयोजित की जाएगी। इसके तहत पदयात्रा, साइकिल रैली और बाइक रैली सहित विभिन्न कार्यक्रम होंगे।

इसके अलावा 'सेवा मेरा योगदान' के तहत नागरिकों को श्रमदान सहित विभिन्न कार्यगतिविधियों से जोड़ा जाएगा। 'सेवा' के राग-राष्ट्र के संग कार्यक्रम में मानव रंगोली के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं और विकसित भारत का संदेश दिया जाएगा।

17 अक्टूबर को 'सुशासन, सेवा, संवाद' के साथ समापन

एक माह तक चलने वाले अभियान का 17 अक्टूबर को 'सुशासन, सेवा, संवाद' कार्यक्रम के साथ समापन प्रस्तावित है। गौरव पारधी ने कहा कि भाजपा का प्रयास है कि 'सेवा संकल्प' अभियान केवल पार्टी का कार्यक्रम न रहे, बल्कि हर वर्ग और हर परिवार की भागीदारी वाला जनअभियान बने। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सेवा यात्रा से प्रेरणा लेकर

भाजपा कार्यकर्ता सेवा के माध्यम से समाज के बीच जाएंगे और विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में जनभागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

मोदी के कार्यकाल में हुए बदलाव को जन-जन तक पहुंचाएंगे : मीना बिसेन..

भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक जिले में 13 प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में आम आदमी के जीवन में आए बदलाव, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहे हैं और इसी सोच के अनुरूप भाजपा कार्यकर्ता सेवा गतिविधियों के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने का प्रयास करेंगे। सिवनी जिले में सभी कार्यक्रमों को व्यापक जनभागीदारी के साथ भव्य एवं प्रभावी रूप से आयोजित किया जाएगा।

तैयारियों को समयबद्ध पूरा करने पर जोर

अभियान के जिला प्रभारी एवं भाजपा जिला महामंत्री गजानंद पंचेश्वर ने सभी कार्यक्रम प्रभारियों से तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करने और प्रत्येक कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं प्रभावी स्वरूप देने का आह्वान किया। भाजपा जिला मीडिया सह प्रभारी मनोज मर्दन त्रिवेदी ने बताया कि अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सेवा यात्रा, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकसित भारत-2047 के संकल्प को आमजन तक पहुंचाने के साथ पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए भी प्रयास किए जाएंगे।

पत्रकार वार्ता में भाजपा जिला उपाध्यक्ष नवनीत सिंह ठाकुर, प्रकसान मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रदीप राय, जिला मंत्री पीयूष दुबे सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

युवा जतिन ने छू लिया आसमान, 16,460 फीट पर फहराया तिरंगा..

जगप्रेरणा सिवनी।
कान्हीवाड़ा गांव के युवा जतिन बंदेवार ने अरुणाचल प्रदेश में लगभग 16,460 फीट की ऊंचाई पर माउंट गोरिचेन क्षेत्र की ग्लेशियर चोटी का



सफल आरोहण कर भारतीय तिरंगा फहराया।

इस उपलब्धि से उन्होंने कान्हीवाड़ा और सिवनी जिले का नाम रोशन करने के साथ अपने माता-पिता संतोष बंदेवार एवं श्रीमती शिवकांति बंदेवार को गौरवान्वित किया है।

जतिन ने National Institute of Mountaineering and Adventure Sports (NIMAS), अरुणाचल प्रदेश से 18 अगस्त से 14 सितंबर 2026 तक आयोजित 28 दिवसीय बेसिक माउंटनियरिंग कोर्स सफलतापूर्वक पूर्ण किया। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने रॉक, स्नो और ग्लेशियर क्षेत्र में पर्वतारोहण तकनीक, उपकरणों का सुरक्षित उपयोग, पर्वतीय सुरक्षा, टीमवर्क और नेतृत्व का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। कोर्स के दौरान कठिन भू-भाग, ऊंचाई और बदलते मौसम के बीच जतिन ने 16,460 फीट की ऊंचाई पर स्थित ग्लेशियर चोटी तक पहुंचकर तिरंगा फहराया। यह उपलब्धि उनके साहस, अनुशासन, शारीरिक क्षमता और मानसिक दृढ़ता को दर्शाती है।

गांव से पर्वत की ऊंचाई तक..

कन्हीवाड़ा जैसे ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर राष्ट्रीय स्तर के पर्वतारोहण संस्थान में प्रशिक्षण हासिल करना और ऊंचाई पर तिरंगा फहराना क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। जतिन की सफलता यह संदेश देती है कि दृढ़ संकल्प और निरंतर मेहनत के बल पर ग्रामीण पृष्ठभूमि का युवा भी बड़ी ऊंचाइयों हासिल कर सकता है।

बेटे की इस उपलब्धि से पिता संतोष बंदेवार और माता श्रीमती शिवकांति बंदेवार के साथ कन्हीवाड़ा एवं सिवनी जिले में गवं और खुशी का माहौल है।

18 अगस्त से शुरू हुआ 28 दिवसीय प्रशिक्षण 14 सितंबर 2026 को पूर्ण हुआ। इसी दौरान 16,460 फीट की ऊंचाई पर तिरंगा फहराकर जतिन ने अपने पर्वतारोहण सफर में महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की।

न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी

डॉ. आमिर अंसारी

MBBS, MS (Gen. Surgery), FMAS, FISC

डॉ. समरीन आमिर अंसारी

MBBS, DGO (KEM, Mumbai), FMAS

मिलने का समय

सुबह 10 से दोप. 1 बजे, शाम 4 से 7 बजे तक

हॉस्पिटल

विशेषज्ञ चिकित्सक सहित सुविधाएं उपलब्ध

पता- बड़ी उचारत डाल्डा फेक्ट्री रोड

अकबर वाई सिवनी

मो., - 8817448039

सिवनी टीवी न्यूज़ एसोसिएशन के नाम से संगठन का हुआ गठन..



जगप्रेरणा सिवनी।

जिले में सेटेलाइट न्यूज चैनलों से जुड़े मीडिया कर्मियों की रविवार को बारापत्थर स्थित होटल में बैठक आयोजित की गई। बैठक में पत्रकारों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए मीडिया कर्मियों के हितों और आपसी समन्वय को लेकर संगठन बनाने पर सहमति बनी।

बैठक में सर्वसम्मति से 'सिवनी टीवी न्यूज एसोसिएशन' के नाम से संगठन का गठन किया गया। सभी सदस्यों ने एकमत और एक राय से संगठन के पदाधिकारियों का चयन किया।

संगठन में प्रशांत शुक्ला एवं शिवशंकर उर्फ सोनू गुप्ता, राकेश नगफासे को संरक्षक, सुखदेव कुमार को जिला अध्यक्ष, पुनीत कपूर को उपाध्यक्ष, विनोद सोनी को कोषाध्यक्ष, जितेंद्र भारद्वाज को सचिव, अंकित रजक को सह सचिव बनाया गया। वहीं विशाल भारद्वाज एवं विनोद यादव को सक्रिय सदस्य की जिम्मेदारी दी गई।

बैठक में प्रशांत शुक्ला, पुनीत कपूर, सुखदेव कुमार, राकेश नगफासे, राजकिशोर पाठक, जितेंद्र भारद्वाज, दिनेश ठाकुर, संजीव क्रीडिया, राजेंद्र 'पिटू' तरवरे, अंकित रजक, विशाल भारद्वाज, आदिल खान, विनोद सोनी एवं विनोद यादव सहित अन्य मीडिया कर्मी उपस्थित रहे। संगठन के गठन के बाद उपस्थित मीडिया कर्मियों ने पत्रकारों से जुड़े मुद्दों पर एकजुट होकर कार्य करने तथा आपसी समन्वय को मजबूत करने पर जोर दिया।

जिला चिकित्सालय पहुंचकर असलम बाबा ने दिया स्वच्छता का संदेश..



जगप्रेरणा सिवनी।

जिला चिकित्सालय द्वारा अधिकृत सामाजिक संस्था कोमी एकता कमेटी के अध्यक्ष असलम बाबा ने स्वच्छता अभियान के अंतर्गत जिला चिकित्सालय के बच्चा वार्ड, चिल्ड्रन वार्ड पहुंच कर मरीज के

परिजनों को स्वच्छता का संदेश दिया और अपील की बच्चों में बुखार सर्दी की बहुत की शिकायती आ रही है और बच्चे बीमार हो रहे हैं बीमारी से बचने के लिए हमें हमारे आसपास स्वच्छता बनाए रखना है। जिससे

हम और हमारा परिवार स्वस्थ रहें। जिला चिकित्सालय में मरीज के परिजन को बताया गया सभी परिजनों ने ध्यानपूर्वक असलम बाबा की बात सुनी और सहयोग करने के लिए कहा। जिला चिकित्सालय आपका अपना है, यहाँ पर आपको स्वच्छता बनाए रखनी है। जिससे जल्द से जल्द आपका बच्चा स्वस्थ होकर घर जाए इसके लिए सबसे जरूरी है स्वच्छता बनाए रखना। जिला चिकित्सालय में सभी परिजन को सहयोग भी करना है। जिससे हमारा जिला चिकित्सालय साफस्वच्छ बना रहे। चिल्ड्रन वार्ड में साफसफाई बहुत अच्छे से कर्मचारियों द्वारा की जा रही है। इस अवसर पर चिल्ड्रन वार्ड का स्टाफ उपस्थित रहा।

अब अपनी विज्ञापन जरूरतों के लिये बनाईये दैनिक जगप्रेरणा को अपना सारथी..

गोंदिया वालाघाट जिले से एक साथ प्रकाशित.. प्रतिदिन दो लाख पाठकों का संपर्क माध्यम

क्लासिफाईड विज्ञापन दर..

■ आवश्यकता है, ■ खरीदना है, ■ बेचना है, ■ प्रॉपर्टी, ■ किराये से देना है,

सिंगल कॉलम - सिर्फ 250 रु. 3 दिन

500 रु. 7 दिन

डबल कॉलम - सिर्फ 450 रु. 3 दिन

800 रु. 7 दिन

■ नाम परिवर्तन ■ पगड़ी रस्म.. ■ कोर्ट नोटिस.. ■ आम सूचना..

सिंगल कॉलम सिर्फ 600 रु. 1 दिन

डबल कॉलम सिर्फ 1000 रु. 1 दिन

अधिक जानकारी हेतु.. 9329033433, 9922607145

JAB CHAHIYE HO DOOR TAK DAHUNCH CHAL MERI LUNA

BOOK NOW @ JUST ₹ 1000/-

BOOK NOW ₹ 69,990/- BOOK NOW

KINETIC GREEN

BP E VEHICLES

Address : Ward No. 32, Near Arihant Gas Agency, Balaghat

Contact - 8517852365, 7566752365

KINETIC GREEN

BP E VEHICLES

Address : Ward No. 32, Near Arihant Gas Agency, Balaghat

Contact - 8517852365, 7566752365

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा

5 मंगलवार 15 सितंबर 2026

लालबर्रा, बैहर, परसवाड़ा

कनकी, बेहरई, खमरिया, जाम, उकवा, मलाजखंड, बिरसा, गढ़ी, लामटा, चांगोटोला..

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

गौ तस्करी पर प्रतिबंध या तस्करी के तरीके में बदलाव? लालबर्रा में ‘एक गाड़ी, दो पशु, बार-बार फेरा’ के फॉर्मूले से चल रहा कथित नेटवर्क..

बैहर-लामता से लाकर लालबर्रा में एकत्रीकरण, वारासिवनी-रामपायली और कटंगी-बोनकट्टा मार्ग से महाराष्ट्र सीमा की ओर सप्लाई..



बोनकट्टा मार्ग के जरिए महाराष्ट्र सीमा की ओर भेजा जाता है।

‘फुल सैटिंग’ के गंभीर आरोप, जांच से सामने आएगा सच

क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा गोवंश के अवैध परिवहन को लेकर ‘फुल सैटिंग’ जैसे गंभीर आरोप लगाये जा रहे हैं ऐसे में यह जांच का विषय है कि क्या वास्तव में किसी स्तर पर इस अवैध गतिविधि को संरक्षण मिल रहा है। यह सवाल इसलिए भी गंभीर है क्योंकि इन मार्गों पर पुलिस की नियमित मौजूदगी रहती है।

सिर्फ पशु गिनना काफी नहीं, अब फेरा गिनने जरूरत

पुलिस की पुरानी रणनीति +एक वाहन में कितने पशु+ पर केंद्रित है लेकिन नई चुनौती यह है कि एक वाहन दिन में कितनी बार थाना क्षेत्र प्रवेश कर रहा है,पशुओं को कहाँ से लाया जा रहा है,कहाँ रोका जा रहा है और आखिर उन्हें किस स्थान तक ले जाया जा रहा है यह जांच का विषय है।

इन बिंदुओं पर है जांच की जरूरत

यदि कोई वजन असामान्य रूप से बार-बार पशुओं को लेकर क्षेत्र में आता-जाता है,तो

संदिग्ध पिकअप वाहनों के नंबरों की निगरानी, परिवहन दस्तावेजों की जांच, 24 घंटे में उनकी आवाजाही का रिकॉर्ड तथा लालबर्रा और सीमा चौकियों के सीसीटीवी फुटेज का मिलान,एवं पशु परिवहन के दस्तावेजों का मौके पर सत्यापन इस पूरे मामले की वास्तविकता सामने ला सकता है इसके साथ ही एकत्रीकरण के कथित स्थानों पर अचानक दबिश किया जाना जरूरी है।

पुलिस की मौजूदगी के बावजूद दावों और जमीनी हकीकत में अंतर

शासन-प्रशासन गोवंश तस्करी पर जीरो टॉलरेंस की बात कह रहा है, लेकिन यदि छोटी-छोटी खेप से रोजाना तस्करी जारी है तो यह दावा खेप पकड़ना ही सम्पत्ता नहीं है,यदि नेटवर्क छोटे-छोटे टुकड़ों में अपना काम जारी रखे हुए है तो निगरानी व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

ग्रामीणों ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक बालाघाट से मांग की है कि मामलों से संबंधित वाहनों के आवाजाही की बारंबारता, मार्ग, स्रोत, गंतव्य और परिवहन दस्तावेजों की जांच कर तस्करी के साथ-साथ किसी स्तर पर लापरवाही या संरक्षण देने वालों पर उचित कार्यवाही की जाए।

समाचार प्रकाशन के बाद बाद भी नहीं टूटी जिम्मेदारों की चुप्पी, गांवों में अवैध पक्की शराब बिक्री पर नही हो रही कार्यवाही..

अवैध रूप से बिक रही शराब, बिगड़ने लगी युवाओं की लत, आबकारी और पुलिस विभाग गहरी नींद में फरमा रहे आराम रविकिरण सोनी, जगप्रेरणा लालबर्रा।

जनपद पंचायत लालबर्रा क्षेत्र के कंजई और नेवरागांव शराब दुकान से लोग शराब बाइक व कार से लेकर जाकर गांवों के पान, किराना दुकानों में धड़ल्ले से बेचने का काम कर रहे है। इससे लोग नशे की चपेट में आने लगे है।



है कि कथित बिक्री पर प्रभावी रोक या किसी प्रकार की कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस मामले को लेकर बार-बार सार्वजनिक रूप से शिकायतें सामने आ रही है। पुलिस स्तर से कार्रवाई का आश्वासन भी दिया जा चुका है,तो अब तक क्षेत्र में नशे के इस काले कारोबार पर कोई ठोस एवं दिखाई देने वाली जांच या कार्यवाही क्यों नहीं हुई?जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई से पीछे क्यों हट रहे हैं? इस पर जिम्मेदार सवाल के घेरे में है।

लाइसेंसी दुकानों से गांवों तक शराब पहुंचने के आरोपों की हो जांच

ग्रामीणों के अनुसार कंजई एवं जाम स्थित लाइसेंसी शराब दुकानों से आसपास के गांवों तक रोजाना शराब की खेप पहुंचाई जा रही है लेकिन संबंधित लाइसेंसी दुकानों से शराब की आवाजाही और बिक्री के संबंध में विभागीय निगरानी और कार्यवाही शून्य नजर आ रही है ऐसा प्रतीत होता है कि जिम्मेदारों द्वारा इन शराब कारोबारियों को मौन स्वीकृति प्रदान की जा रही है। नशे के विरुद्ध अभियान के तहत कच्ची महुआ शराब पर पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा रही है, जो निश्चित रूप से आवश्यक है, लेकिन ग्रामीणों का सीधा सवाल है कि यदि अवैध नशे के खिलाफ अभियान वास्तव में व्यापक है, तो कथित रूप से अवैध तरीके से बेची जा रही देशी-विदेशी शराब पर भी उसी गंभीरता से कार्रवाई क्यों नहीं दिखाई दे रही? ग्रामीणों का कहना है कि जिन स्थानों पर कथित रूप से शराब बिक्री की जा रही है वहां विभागीय अमला पहुंचकर वास्तविक स्थिति की जांच नहीं कर रहा है। नशे के इस अवैध कारोबार पर कार्रवाई

नहीं होने की स्थिति में क्षेत्र में संरक्षण को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं और आरोप भी सामने आ रहे हैं।

पुलिस और आबकारी विभाग से आश्वासन के बजाए कार्रवाई की मांग

क्षेत्रवासियों का कहना है कि क्षेत्र में रोजाना अवैध पक्की शराब बिक्री बेखौफ जारी है तो ऐसे में केवल ‘सूचना मिलने पर

कार्रवाई की जाएगी’ जैसे आश्वासन पर्याप्त नहीं हैं बल्कि जरूरत है कि जिम्मेदार विभाग स्वयं सज्जान लेकर संवेदनशील गांवों में औचक जांच करें, कथित अवैध बिक्री स्थलों की निगरानी करें और शराब के अवैध परिवहन और बिक्री पर ठोस कार्रवाई करें। भारत सरकार द्वारा नशे के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है ऐसे में ग्रामीणों की शासन प्रशासन से मांग है कि उक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए संयुक्त जांच अभियान चलाया जाए,लाइसेंसी दुकानों की बिक्री एवं रिकॉर्ड की जांच की जाए,पैकार गतिविधियों की पड़ताल की जाए। जिम्मेदार व्यक्तियों के साथ ही लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय कर उचित कार्रवाई की जाए।

बोले वारासिवनी एसडीओपी प्रशांत शर्मा..

अवैध शराब बिक्री की सूचना प्राप्त होने पर पुलिस द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत अवैध नशे के व्यापार से जुड़ी सभी गतिविधियों पर समान रूप से कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। किसी भी प्रकार के अवैध नशे के कारोबार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बोले बालाघाट जिला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का..

आपके द्वारा लालबर्रा अंतर्गत ग्राम नेवरागांव, बांदरी, बोड्डा, कंजई, जाम सहित आसपास के इलाकों में अवैध पक्की शराब बिक्री का मामला सज्जान में आया है। मैं इस पर जांच कर कार्रवाई करता हूं।

विकास से बढ़ीं जन अपेक्षाएं, अब और बेहतर सुविधाएं देने की जरूरत : रामकिशोर कावरे..

भाजपा मंडल स्तरीय कार्यशाला में सेवा संकल्प अभियान और आगामी चुनावों की तैयारियों पर हुआ मंथन

जगप्रेरणा परसवाड़ा।

भाजपा मंडल परसवाड़ा की मंडल स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें सेवा संकल्प अभियान, मंडल कार्यसमिति की गतिविधियों के साथ आगामी त्रिस्तरीय पंचायत, विधानसभा और लोकसभा चुनावों की संगठनात्मक तैयारियों पर चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर को मजबूत करने और जनसंपर्क गतिविधियों को और प्रभावी बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में विकास के नए आयाम स्थापित हुए हैं। केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गरीब और जरूरतमंद परिवारों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का काम किया गया है।

उन्होंने कहा कि करीब दो दशक पहले जिन क्षेत्रों में कच्ची सड़कें थीं, वहां आज पक्की सड़कें नजर आती हैं। इसी तरह कच्चे मकानों और झोपड़ियों की जगह पक्के मकानों ने ली है। बच्चों के जन्म से लेकर बुजुर्ग अवस्था तक सरकार की विभिन्न योजनाएं संचालित हैं, जिनका लाभ आमजन को मिल रहा है।



श्री कावरे ने कहा कि विकास के साथ आज का युवा अधिक जागरूक और साक्षर हुआ है। वह विकास कार्यों को समझ रहा है और सरकार से बेहतर सुविधाओं एवं आगे भी निरंतर विकास की अपेक्षा कर रहा है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि जनता की अपेक्षाओं को समझते हुए सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी प्रत्येक बूथ और परिवार तक पहुंचाएं।

‘चरैवेति-चरैवेति’ के मंत्र के साथ आगे बढ़ने का आह्वान

जिलाध्यक्ष कावरे ने संगठन की मजबूती पर

जोर देते हुए कार्यकर्ताओं से ‘चरैवेति-चरैवेति’, यानी निरंतर आगे बढ़ते रहने के भाव के साथ काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर पर सक्रिय रहकर आमजन से लगातार संपर्क बनाए रखे। कार्यशाला में आगामी चुनावों को लेकर कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों, संगठनात्मक गतिविधियों और जनसंपर्क अभियान को प्रभावी बनाने पर भी चर्चा हुई।

ये रहे मौजूद

कार्यशाला में भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे, मंडल अध्यक्ष योगेश शरणागत, जिला उपाध्यक्ष एवं विधानसभा प्रभारी किशोर अमुले, जिला मंत्री शिवानी तिल्लसी, जनपद अध्यक्ष समलसिंह धुवें, उपाध्यक्ष कांति राहंगडाले, समाजसेवी रामेश्वर कटरे, वरिष्ठ कार्यकर्ता पीतम बोपचे, शंकरलाल बघेल, अशोक अंबधिया, टेकरा राणा, नंदकिशोर ऐड़े, हिंदेसाय हिरवाने, राजा तपन चौधरी, मझगांव मंडल अध्यक्ष मनोज साहू, निरख अमुले, महामंत्री तेजराम बोरिकर, कमलेश मरकाम, विधानसभा मीडिया संयोजक डिगेन्द्र गौतम, समाजसेवी देवेन्द्र ऐड़े, विशाल महानंद, महेंद्र तिवारी, कमलेश सेलोकर, अशोक कटरे, विवेक पट्टले, प्रीति बिसेन, चित्रवती नंदा, नीलिमा कटरे, गिरजा वरांडे, दिलीप कटरे, रघुनाथ कुमले, राजेश लिल्लारे, गणेश वान्दे और संतोष बोपचे सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मंडई टेकरा शिव मंदिर परिसर में वृक्षारोपण से ‘वलीन गढ़ी, ग्रीन गढ़ी’ अभियान ने पकड़ी रफ्तार

अजय रजक, जगप्रेरणा गढ़ी।

ग्राम पंचायत गढ़ी में चलाए जा रहे ‘क्लीन गढ़ी, ग्रीन गढ़ी’ अभियान को लगातार जनसहयोग मिल रहा है। ग्राम पंचायत की सरपंच सुश्री रोशनी मेरावी के नेतृत्व में मंडई टेकरा शिव मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र के विकास, स्वच्छता और हरियाली को लेकर प्रतिदिन जनभागीदारी से विभिन्न गतिविधियां की जा रही हैं। नारबोद पर्व के अवसर पर वृक्षारोपण के बाद एक बार फिर मंडई टेकरा परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे तथा उनकी सुरक्षा और देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर ग्राम के रामायण मंडली के



सदस्यों, मूर्तिकार श्री विनोद प्रजापति, पंच श्रीमती उर्मिला रंधवे, सामाजिक कार्यकर्ता चन्द्रकांता भौतेकर, पंच श्रीमती रोशनी परवार एवं डॉ. अमित पाटिल सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर पौधरोपण करते हुए परिसर को स्वच्छ, सुंदर और हरा-भरा बनाने की दिशा में सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान वकाओं ने

कहा कि ‘क्लीन गढ़ी, ग्रीन गढ़ी’ केवल एक अभियान नहीं, बल्कि ग्राम के पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक विकास का संकल्प है। मंडई टेकरा क्षेत्र को विकसित कर आकर्षक एवं हरित स्थल के रूप में तैयार करने के लिए ग्रामीणों की निरंतर भागीदारी आवश्यक है।

सरपंच सुश्री रोशनी मेरावी ने कहा कि ग्राम के विकास में केवल पंचायत की भूमिका पर्याप्त नहीं है, बल्कि हर नागरिक की सहभागिता से ही गढ़ी को स्वच्छ और हरा-भरा बनाया जा सकता है। उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में अभियान से जुड़ने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने की अपील की। कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने ‘एक पौधा लगाएं, उसकी जिम्मेदारी निभाएं’ का संदेश देते हुए अभियान को निरंतर गति देने का संकल्प लिया। ग्रामीणों की बढ़ती सहभागिता से ‘क्लीन गढ़ी, ग्रीन गढ़ी’ अभियान अब जनअभियान का रूप लेता दिखाई दे रहा है।

66 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय में पेश..

संजना मोनू बर्वे, जगप्रेरणा उकवा।

दिनांक 14 सितंबर 2026। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय बालाघाट के निर्देश में, श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय बैहर एवं श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी पुलिस महोदय बैहर के मार्गदर्शन में तथा थाना प्रभारी रूपझर के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, 13 सितंबर 2026 को ग्राम भ्रमण के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम पोला सरईटोला निवासी राजेन्द्र मरकाम (50) अपने घर के पीछे छपरी में अवैध महुआ शराब रखे हुए है।

सूचना की तत्पश्चात के लिए पुलिस टीम ग्राम पोला सरईटोला पहुंची और घेराबंदी कर राजेन्द्र मरकाम को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 66 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब, जिसकी कीमत करीब 6,600 रुपए है,



बराबद की गई। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध थाना रूपझर में अपराध क्रमांक 149/2026, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। आरोपी को गिरफ्तारी का कारण बताते हुए गिरफ्तार किया गया तथा परिजनों को गिरफ्तारी की सूचना दी गई। इसके बाद आरोपी को न्यायालय बैहर में पेश किया गया।

महिला के कब्जे से 25 लीटर महुआ शराब जब्त

इसी दिन ग्राम चौपाल कार्यक्रम के दौरान मुखबिर से प्राप्त सूचना पर रूपझर पुलिस ने ग्राम पोला में कार्रवाई करते हुए जैवन्ती बाई पति दुर्ग सिंह मरकाम (48) को उसके घर के पीछे बाड़ी में घेराबंदी कर पकड़ा। उसके कब्जे से 25 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब, जिसकी कीमत करीब 2,500 रुपए है, बराबद की गई। महिला के विरुद्ध थाना रूपझर में अपराध क्रमांक 148/2026, धारा 34(1) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। सराहनीय भूमिका: संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी रूपझर निरीक्षक कामेश धुमकेती, सजिन गौरीशंकर देशमुख, प्रधान आरक्षक देवेश तिवारी, तेजराम उषके, संतोष मरकाम, आरक्षक नागेश धुमकेती एवं विशेष सहयोगी दस्ते का सराहनीय योगदान रहा।

त्योहारों को लेकर पुलिस ने की शांति समिति की बैठक, अफवाहों से बचने की अपील..

जगप्रेरणा परसवाड़ा।

आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना परसवाड़ा में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधि, व्यापारी, पत्रकार और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक शामिल हुए। इस दौरान कानून-व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात और धार्मिक आयोजनों को लेकर चर्चा की गई। नवागत एसडीओपी अभिषेक गौतम ने कहा कि त्योहारों के दौरान सभी समुदाय आपसी भाईचारे और सद्भाव के साथ पर्व मनाएं। उन्होंने नागरिकों से किसी भी तरह की अप्रवृत्ति पर विश्वास नहीं करने तथा बिना पुष्टि के सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक सामग्री शेयर नहीं करने की अपील की।

थाना प्रभारी अनूप नामदेव और सब इंस्पेक्टर



घुड़नलाल अहिरवार ने त्योहारों के दौरान पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी दी। बैठक में जुलूस एवं धार्मिक आयोजनों के दौरान यातायात व्यवस्था, साफ-सफाई और सुरक्षा को लेकर भी चर्चा की गई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या या विवाद की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों और गणमान्य

नागरिकों ने त्योहारों के दौरान प्रशासन को सहयोग देने की बात कही। अधिकारियों ने कहा कि त्योहार सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश देते हैं। सभी मिल-जुलकर पर्व मनाएं और क्षेत्र में शांति एवं सद्भाव का वातावरण बनाए रखने में सहयोग करें।

ये रहे मौजूद: बैठक में जनपद सदस्य रम्पु धानेश्वर, सांसद प्रतिनिधि पितम बोपचे, पत्रकार संघ अध्यक्ष राकेश मिश्रा, नरेन्द्र (पप्पू) शरणागत, शिवानी तिल्लसी, टोपराम सेलोकर, संतोष साहू, अवतार अवधिया, हर्षित चौधरी, कान्दर खान, मनोज ब्रम्हे, परवेश खान, प्रमोद हिवाले, इमरान कुरेशी, यदुनंदन राणा, वैभव गुप्ता, शिवम् जयसवाल, तुषार जयसवाल सहित व्यापारी, पत्रकार संघ के पदाधिकारी एवं पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।



खेल मनोरंजन

खेल जगत एवं बॉलीवुड व हॉलीवुड की खबरें..



भारत में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट में भाग लेगा पाकिस्तान: भगवंत मान..

मोहाली, (भाषा)।
पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान उन छह देशों में शामिल है जो अगले महीने यहां होने वाली पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) हॉकी प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

उन्होंने केंद्र सरकार की उस नीति का हवाला दिया जिसके तहत बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में इन दोनों कट्टर प्रतिद्वंद्वी देशों को भारतीय धरती पर खेलने की अनुमति दी जाती है।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 27 अक्टूबर से पांच नवंबर तक जालंधर और मोहाली में खेली जाएगी। इसमें भारत, पाकिस्तान, चीन, जापान, मलेशिया और कोरिया भाग लेंगे। फ़इनल मोहाली में खेला जाएगा।

अगर कोई टीम टूर्नामेंट से हटती है तो उसकी जगह ओमाट या बांग्लादेश को दी जाएगी। इस टूर्नामेंट का आयोजन एशियाई हॉकी महासंघ के तत्वावधान में हर वर्ष किया जाता है लेकिन पिछले साल इसका आयोजन नहीं हुआ था।

भारत 2023 (चेन्नई) और 2024 (हनुमानगढ़, चीन) में खिताब जीतकर मौजूदा चैंपियन के रूप में प्रतियोगिता में प्रवेश करेगा।

पाकिस्तान की भागीदारी और इसके लिए आवश्यक मंजूरी मिल जाने के बारे में पूछे जाने पर मान ने कहा, “बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में कोई समस्या नहीं है। हो सकता है कि द्विपक्षीय श्रृंखलाएं (भारत और पाकिस्तान के बीच) नहीं हो सकें।”

केंद्र सरकार की खेल नीति के अनुसार भारत पाकिस्तान के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं खेलेगा। भारत ने पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ संक्षिप्त सैन्य

अभियान चलाया था। पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे।

खेल मंत्रालय ने हालांकि ओलिंपिक चार्टर का पालन करते हुए कहा है कि दोनों देश बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में एक दूसरे का सामना कर सकते हैं और भारत इस तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए पाकिस्तान के खिलाड़ियों को अपने देश में खेलने से नहीं रोकेगा।

इसके बावजूद पाकिस्तान ने पिछले साल तमिलनाडु में खेले गए जूनियर हॉकी विश्व कप से अपना नाम वापस ले लिया था। उसने इसका कारण ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ना बताया था।

मान ने कहा कि एसीटी के लीग चरण के मैच जालंधर में जबकि सेमीफ़इनल और फ़इनल मोहाली स्टेडियम में खेले जाएंगे।

इस टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए पूरा समर्थन देते हुए मान ने कहा कि पंजाब राज्य के इतिहास में पहली बार होने वाले इस टूर्नामेंट के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के हॉकी संघों के बीच ‘अच्छे संबंध’ हैं।

उन्होंने कहा, “मैं सबके सामने यह बात कहना चाहता हूँ कि भारत और पाकिस्तान के हॉकी संघों के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। आपने गौर किया होगा कि जब भी मैं जाता हूँ और अगर भारतीय टीम पाकिस्तान को हरा देती है, तो मैं सबसे पहले पाकिस्तानी टीम से मिलता हूँ। वहां के लड़के (खिलाड़ी) भी बहुत सम्मान देते हैं।”

हॉकी इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, “दिलीप टिकी वहां मौजूद नहीं थे क्योंकि दिल्ली में खेल मंत्री मनसुख मांडविया के साथ एचआईएल को लेकर उनकी एक बैठक तय थी।

”
हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिकी ने कमांडर आर के श्रीवास्तव के सभी अधिकार तुरंत प्रभाव से छीन लिए हैं। श्रीवास्तव सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद थे। इस बारे में पूछे जाने पर सूत्र ने कहा, “दिलीप टिकी या अध्यक्ष बैठक बुलाए बिना एकतरफ़ फैसले नहीं ले सकते।”

मान ने कहा कि पाकिस्तान की भागीदारी से इस चैंपियनशिप में खेल के लिहाज से एक बड़ा आयाम जुड़ गया है और इससे स्वाभाविक रूप से पूरे क्षेत्र और देशभर के हॉकी प्रेमी आकर्षित होंगे।

उन्होंने कहा, “एक नवंबर को जालंधर में होने वाला भारत-पाकिस्तान मुकाबला टूर्नामेंट के सबसे बड़े आकर्षणों में से एक होगा। यह मुकाबला पंजाब दिवस के दिन होगा जिससे पंजाब के लोगों के लिए यह मौका और भी खास बन जाएगा। हॉकी के मैदान पर भारत और पाकिस्तान के बीच प्रतिद्वंद्विता हो सकती है, लेकिन खेल की अपनी एक अलग भाषा होती है।”

मान ने कहा, “हॉकी प्रेमियों के लिए भारत-पाकिस्तान का मुकाबला नफ़्त का नहीं, बल्कि हॉकी के जुनून, दर्शकों के उत्साह और खेल की खूबसूरती का प्रतीक है।”

मान ने बताया कि पंजाब सरकार ने चैंपियनशिप के सफल आयोजन के लिए 25.40 करोड़ रुपये देने की प्रतिबद्धता जताई है।

मान ने यह भी कहा कि सभी मुकाबलों में दर्शकों के लिए प्रवेश पूरी तरह नि:शुल्क रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, “पंजाब के लोगों ने हॉकी को अपना दिल दिया है इसलिए जब अंतरराष्ट्रीय हॉकी पंजाब में लौट रही है तो लोगों को इसे बिना किसी आर्थिक बाधा के देखने का मौका मिलना चाहिए।”

वरुण चोट के कारण बाहर, पांचवें गेंदबाज को लेकर दुविधा, भारत की नजरें श्रृंखला जीतने पर

नई दिल्ली, (भाषा)।
पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय टीम अफ़ग़ानिस्तान के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत दर्ज करके श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी और इस दौरान पांचवें गेंदबाज की समस्या का समाधान भी निकालना चाहेगी।

हादिक पंड्या के चोटिल होने के कारण भारतीय टीम में पांचवें विश्वसनीय गेंदबाजी विकल्प की कमी महसूस हो रही है। सोमवार को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण वरुण चक्रवर्ती के बाहर होने से भारत के लिए पांचवें गेंदबाज का विकल्प चुनने की समस्या और बढ़ गई है।

विश्व कप विजेता भारत ने रविवार को यहां एकतरफ़ मुकाबले में अफ़ग़ानिस्तान को सात विकेट से हराकर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में शानदार वापसी की।

श्रेयस अय्यर की टीम ने पहले मैच में हर मोर्चे पर शानदार प्रदर्शन किया। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इस जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अर्शदीप ने 19 रन देकर तीन विकेट लिए और अफ़ग़ानिस्तान को आठ विकेट पर 156 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद अभिषेक ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों में 82 रन बनाए जिससे भारत ने 13.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर दिया।

हालांकि चक्रवर्ती ने जुलाई में इंग्लैंड दौरे के दौरान लगी चोट से उबरने के बाद सीरीज के पहले मुकाबले में एक विकेट हासिल किया था, लेकिन सोमवार को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण उन्हें पूरी सीरीज से बाहर कर दिया गया। इसके साथ ही आगामी एशियाई खेलों में उनके खेलने पर भी संशय पैदा हो गया है। उनकी गैरमौजूदगी से भारत के गेंदबाजी आक्रमण में एक बड़ी कमी पैदा हो गई है और भारत के लिए इस कमी को दूर करना जरूरी होगा क्योंकि इसी सप्ताह के अंत में टीम

का ध्यान एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने पर होगा। जसप्रीत बुमराह ने भी चोट से वापसी करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन भारत को इस महीने के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों से पहले पांचवें गेंदबाज की समस्या का समाधान करना होगा।

अय्यर को उस स्थान की भरपाई करने में काफी मशक़त करनी पड़ी क्योंकि ऑलराउंडर शिवम दुबे और नीतीश कुमार रेड्डी अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सके। रेड्डी के दो ओवरों में 30 रन लुटाए जबकि आखिरी ओवर में गेंद संभालने वाले दुबे ने 21 रन दिए। अभिषेक ने भी एक ओवर किया। इस तरह तीनों ने मिलकर अपने चार ओवरों में 59 रन लुटाए।

अर्शदीप, बुमराह, अक्षर पटेल और चक्रवर्ती के अच्छे प्रदर्शन से भारत को पांचवें गेंदबाजी के विकल्पों का खराब प्रदर्शन भारी नहीं पड़ा। लेकिन चक्रवर्ती की गैरमौजूदगी से अय्यर की मुश्किलें बढ़ जाएंगी क्योंकि एशियाई खेल सामने हैं और वह टीम में गेंदबाजी के लिए एक अधिक स्थिर और भरोसेमंद विकल्प चाहते होंगे।

अय्यर उनकी जगह लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को टीम में शामिल कर सकते हैं या फिर ऑफस्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर को मौका दे सकते हैं।

बल्लेबाजी की बात करें तो अभिषेक ने अपनी तूफ़ानी पारी से अपनी फ़ॉर्म को लेकर उठ रही शंकाओं को दूर कर दिया। शानदार फ़ॉर्म में चल रहे ईशान किशन ने अभ्यास के दौरान पीठ पर लगी मामूली चोट को दरकिनार करते हुए 33 गेंदों में 42 रन बनाए, जिसमें पांच चौके और एक छक्का शामिल था।

सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन (10) को हालांकि टीम में अपनी जगह बनाए रखने के लिए बड़ी पारी खेलनी होगी। केरल के इस बल्लेबाज ने भारत की टी20 विश्व कप जीत में अहम भूमिका निभाई थी, लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तथा उन्होंने अफ़ग़ानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला से पहले चार पारियों में केवल

33 रन बनाए। सैमसन को शानदार फ़ॉर्म में चल रहे युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें जल्द से जल्द बड़ा स्कोर बनाना होगा जिससे कि वह एशियाई खेलों के लिए अंतिम एकादश में अपनी जगह सुरक्षित बनाए रखें। पहले मैच में अफ़ग़ानिस्तान भारत के सामने कहीं नहीं जाकर। श्रेयस अय्यर (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी, यश ठाकुर, रवि बिश्नोई।

रहमानुल्लाह गुरबाज और कसान इब्राहिम जादरान के जल्दी आउट होने से अफ़ग़ानिस्तान दबाव में आ गया। उसने सातवें ओवर में ही 43 रन पर अपने आधे विकेट गंवा दिए थे। मोहम्मद नबी और अजमतुल्लाह उमरज़ई की साझेदारी ने उम्मीद जगाई, लेकिन उसके बकी बल्लेबाजों को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

अफ़ग़ानिस्तान के कसान इब्राहिम जादरान ने रविवार को कहा, “हमने तीन ओवरों में अच्छी शुरुआत की, लेकिन उसके बाद हम अच्छा योगदान नहीं दे पाए। हमने लगातार विकेट गंवाए और उन्होंने हम पर दबाव बना दिया। हमने बीच के ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी की, लेकिन हम उतने रन नहीं बना पाए जितने हम चाहते थे।”

टीम इस प्रकार हैं:
भारत: श्रेयस अय्यर (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी, यश ठाकुर, रवि बिश्नोई।

अफ़ग़ानिस्तान: इब्राहिम जादरान (कप्तान), दरविश रसूली, नूर उल ख़ान, रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरज़ई, राशिद खान, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नाइब, नांगेलिया खारोटे, अब्दुल्ला अहमदज़ई, फज़लहक फ़रूकी, नबीन-उल-हक, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद।

‘हनुमान अंश’ की सफलता के बाद अब ‘राम बोला’ डायरेक्ट करेंगे विशाल चतुर्वेदी, नई फिल्म का किया ऐलान

डेस्क जगप्रेरणा।
‘हनुमान अंश’ को पूरे देश से खूब तारीफ़ मिल रही है। मशहूर हस्तियों और नेताओं ने भी फिल्म की कहानी की जमकर सराहना की। विशाल चतुर्वेदी द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म नीम करौली बाबा के जीवन और शिक्षाओं पर आधारित है। इसमें शोभिनव सत्या मुख्य भूमिका में हैं।



सोमवार को यह घोषणा की गई कि विशाल अपनी अगली फिल्म गोस्वामी तुलसीदास के जीवन पर बनाएंगे। सिनेमाघरों में ‘हनुमान अंश’ 39 दिन से बॉक्स ऑफ़िस पर छप्परफड़ कमाई कर रही है, जिसने भारत में अब तक का कुल ग्राँस कलेक्शन 260.96 करोड़ और कुल नेट कलेक्शन 220.91 करोड़ हो गया है।

तुलसीदास पर होगी फिल्म ‘राम बोला’ की कहानी

प्रोडक्शन बैनर, महावीर जैन फिल्म्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक जॉईंट पोस्ट के जरिए

‘खिचड़ी’ के मेकर्स की नई सीरीज बनी ‘चुंबक’, दर्शकों को खींच रही फैमिली एंटरटेनर, 48 घंटे में ओटीटी पर दिखाया कमाल..

डेस्क जगप्रेरणा।
‘खिचड़ी’ और ‘साराभाई वर्सेस साराभाई’ एक समय पर टीवी इंडस्ट्री के सबसे चर्चित और सफल शोज में से एक थे। ये ऐसे शोज हैं, जिन्हें आज भी दर्शक देखना काफी पसंद करते हैं। आज भी ये शो दर्शकों को उतने ही एंटरटेनिंग लगते हैं,



जितने तब लगते थे जब इनका आगाज हुआ था। अब इन कल्ट ड्रामा को बनाने वाले मेकर्स आतिश कपाड़िया और जेडी मजीठिया ने एक और कॉमेडी-ड्रामा दर्शकों के बीच उतारी है, जो रिलीज के साथ ही ओटीटी की दुनिया में छग गई है। आतिश कपाड़िया और जेडी मजीठिया की नई सीरीज ‘चुंबक’ ओटीटी पर रिलीज हो गई है, जिसमें पांच परिवारों की कहानी दिखाई गई है। पड़ोस में रहने वाले इन पांच परिवारों के घर अलग हैं, लेकिन जिनकी एक-दूसरे से इस कदर जुड़ी है, कि एक की परेशानी सबकी परेशानी बन जाती है।

ओटीटी पर छाई पड़ोसियों की नई कहानी

नेटफ्लिक्स पर आई ‘चुंबक’ के सभी

एपिसोड रिलीज हो चुके हैं और अब दर्शकों के बीच काफी पसंद भी किए जा रहे हैं।

सीरीज में नीना गुप्ता, मानसी पारेख, देवेन भोजानी, सुमित व्यास सहित कई कलाकार मुख्य भूमिका में हैं, जिनके इर्द-गिर्द सीरीज की कहानी घूमती है। आतिश कपाड़िया और जेडी मजीठिया ‘खिचड़ी’ और ‘साराभाई वर्सेस साराभाई’ जैसे यादगार और एंटरटेनिंग शोज देने के लिए मशहूर हैं और इस सीरीज में भी उन्होंने वही पुराना तड़का एकदम नए अंदाज में लगाया है, जिसके चलते दर्शकों के बीच ये सीरीज इतनी पसंद की जा रही है कि स्ट्रीमिंग के दो दिनों के अंदर ही ये टॉप ट्रेंडिंग में अपनी जगह बना चुकी है।

क्या है कहानी?

‘चुंबक’ की कहानी एक मोहल्ले में रहने वाले पांच अलग-अलग परिवारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कहने को तो एक-दूसरे से अलग हैं,

200 करोड़ के पार ‘हनुमान अंश’

विशाल चतुर्वेदी द्वारा लिखित और निर्देशित ‘हनुमान अंश’ नीम करौली बाबा के जीवन पर आधारित है। उनके भक्त उन्हें भगवान हनुमान का अवतार मानते हैं। 2 करोड़ के कम बजट में बनी इस फिल्म ने उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। भारत में रिलीज हुई इस फिल्म ने पहले दिन 10 लाख कमाए थे। हालांकि, कुछ दिनों बाद इसकी कमाई में जबरदस्त उछाल आया और यह एक सफल फिल्म बन गई। ‘हनुमान अंश’ ने अब भारत में 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। यह 18 सितंबर को तेलुगु भाषा में रिलीज होगी।

2 करोड़ की फिल्म ने छापे करोड़ों

सैकनिल्क के अनुसार रिलीज के दिन ‘हनुमान अंश’ ने बॉक्स ऑफ़िस पर 10 लाख की कमाई की। शुरुआती दो हफ्तों में फिल्म का बॉक्स ऑफ़िस कलेक्शन बहुत कम रहा और इसने सिर्फ 1.48 करोड़ कमाए। फिल्म के बॉक्स ऑफ़िस कलेक्शन में 17वें दिन से बढ़त देखी गई, जब इसने 2.20 करोड़ कमाए। सोशल मीडिया पर दर्शकों से तारीफ मिलने और लोगों के बीच फिल्म की अच्छी चर्चा शुरू होने के बाद थिएटर में दर्शकों की संख्या बढ़ने लगी।

लेकिन पूरी तरह जुड़े हैं। इस कॉलोनो की खासियत है कि यहां रहने वाले हर शख्स को एक-दूसरे की जिंदगी की पूरी खबर रहती है।

बिना मांगे सलाह से लेकर एक-दूसरे के पचड़ों में टांग अड़ाने तक, ये एक तरफ़ एक-दूसरे को परेशान करते हैं तो दूसरी तरफ़ जब जरूरत पड़ती है तो सबसे पहले मदद का हाथ बढ़ाते हैं। ये सीरीज भारतीय मोहल्लों की जानी-पहचानी

परिस्थितियों को हल्के-फुल्के और एंटरटेनिंग अंदाज में पेश करती है।

‘चुंबक’ की कास्ट

‘चुंबक’ की कास्ट की बात करें तो ये अनुभवी कलाकारों से भरी है। इसमें इंडियन टीवी से लेकर ओटीटी जगत के कई जाने-पहचाने और दिग्गज चेहरे हैं। चुंबक में नीना गुप्ता, देवेन भोजानी, संदीपा धर, अर्जुन बिजलानी, सुमित व्यास, सुमित राघवन, हेली शाह, डेलानाज ईरानी, मानसी पारेख, अमयारा दस्तूर, अतुल कुमार और अनंत वी जोशी जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं।

सीरीज को आतिश कपाड़िया और जेडी मजीठिया ने हैट्स ऑफ़ प्रोडक्शन तले बनाया है, जो हमेशा से पारिवारिक रिशतों और आम जिंदगी से उपजे हास्य पर मनोरंजन परोसता आया है।

मांडविया ने एचआईएल के पुनरुद्धार की योजना बनाने को कहा, पांच सदस्यीय समिति गठित करने के निर्देश..

नई दिल्ली, (भाषा)।
खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को हॉकी इंडिया और हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के फ़्रेंचाइजी मालिकों से आर्थिक संकट से जुड़ा रही लीग की वित्तीय व्यावहारिकता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक खाका तैयार करने को कहा और इसके लिए पांच सदस्यीय समिति गठित करने का निर्देश दिया। मंत्रालय के सूत्रों ने ‘भाषा’ को बताया कि मांडविया ने हॉकी इंडिया के अधिकारियों और एचआईएल फ़्रेंचाइजी के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की जिसमें उन्हें प्रतियोगिता से जुड़ी चिंताओं से अवगत कराया गया।

सूत्र ने कहा, “खेल मंत्री ने सभी हितधारकों के साथ बैठक की और उन्हें एचआईएल से जुड़ी चिंताओं के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने हॉकी इंडिया के अधिकारियों को लीग की वित्तीय व्यावहारिकता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए योजना पर काम करने का निर्देश दिया।”

सूत्र ने कहा, “मंत्री ने हॉकी इंडिया से

एचआईएल के पुनरुद्धार के लिए व्यापक योजना तैयार करने के लिए पांच सदस्यीय समिति गठित करने को भी कहा। समिति में हॉकी इंडिया और फ़्रेंचाइजी के दो-दो प्रतिनिधि तथा खेल मंत्रालय का एक वरिष्ठ अधिकारी शामिल होगा।”

उन्होंने कहा, “मंत्री ने हितधारकों को प्राथमिकता के आधार पर लीग के संचालन मॉडल, वित्तीय मॉडल और ढांचे पर काम करने का निर्देश दिया। समिति को तय समय सीमा में अपनी रिपोर्ट मंत्रालय को सौंपने को कहा गया है।”

बैठक में हैदराबाद तूफ़स, वेदांता कलिंग लांसर्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, शाची बंगाल टाइगर्स, एएलपी पाइपर्स, जेके सीमेंट्स और नयी बेंगलुरु फ़्रेंचाइजी के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। सात साल के अंतराल के बाद पिछले साल एचआईएल को फिर शुरू किया गया था लेकिन इसके बाद से लीग की वित्तीय स्थिरता और फ़्रेंचाइजी की भागीदारी को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं जिससे इसके दीर्घकालिक भविष्य पर सवाल खड़े हो गए हैं। खेल सचिव और भारतीय खेल

प्राधिकरण (साइ) के महानिदेशक हरि रंजन राव, टॉपस के सीईओ एनएस जौहल और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी बैठक में हिस्सा लिया। बैठक करीब एक घंटे चली। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह बैठक में ऑनलाइन शामिल हुए जबकि आर के श्रीवास्तव की शक्तियां हाल में कम किए जाने के बाद रणजीत गिल ने कार्यवाहक महानिदेशक के रूप में बैठक में हिस्सा लिया। यह बैठक हॉकी इंडिया के भीतर जारी सत्ता संघर्ष के बीच हुई है। अध्यक्ष दिलीप टिकी ने श्रीवास्तव को कारण बताओ नोटिस जारी कर उन्हें महानिदेशक के अधिकारों का इस्तेमाल बंद करने का निर्देश दिया है। हालांकि श्रीवास्तव ने सोमवार को मोहाली में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ एक आधिकारिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह और कार्यकारी बोर्ड के सदस्य आर पी सिंह भी मौजूद थे जहां 2026 पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की तारीखों और आयोजन स्थलों की घोषणा की गई।

॥ श्री जीणामाला की जय ॥
प्रो. मनीष वर्मा, मो. 9425448126

॥ जय गुलाब बाबा नमः ॥
मान्यता ऑटो पार्दर्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एंव गाड़ियाँ सुधारी जाती है ।
वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्प्लेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

HERO

BAJAJ

HONDA

TVS

वहां सोने, चांदी, हरे गहने
आपुण्णों की १२ कृति में मिलना है..
समय का स्पर्श और हर आभा में वंश की गरिमा..

परंपरा और मरठोखे के 38 साल

शांति ज्वेलर्स..

नया सराफा,
मेन रोड, बालाघाट

लेख, लघु कथा,
कविताएं एवं साहित्य
सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

भाषाई अस्मिता और हिंदी दिवस की सार्थकता

14 सितंबर का दिन हर वर्ष हमें हिंदी दिवस के रूप में हमारे संवैधानिक दायित्व और भाषाई पहचान की याद दिलाता है। सन् 1949 में इसी दिन भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी को संघ की राजभाषा स्वीकार किया था। इसके पश्चात 1953 से हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। संविधान के अनुच्छेद 343(1) और अनुच्छेद 351 में हिंदी के प्रचार-प्रसार और विकास को राज्य का प्रमुख कर्तव्य बताया गया है।

वर्तमान परिदृश्य

आज के डिजिटल और वैश्विक युग में हिंदी के सामने अवसर और चुनौतियाँ दोनों नए स्वरूप में प्रस्तुत हुई हैं। तकनीक और डिजिटल क्रांति। इंटरनेट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म ने हिंदी के प्रसार को अभूतपूर्व गति दी है। आज डिजिटल दुनिया में हिंदी सबसे तेजी से बढ़ने वाली भाषाओं में शामिल है। बाजार की मजबूरी बनाम सम्मान। वैश्विक कंपनियों और ब्रांड्स के लिए हिंदी अब महज एक भाषा नहीं, बल्कि भारत के एक विशाल उपभोक्ता वर्ग तक पहुँचने का सबसे कारगर साधन बन चुकी है। अभिजात वर्ग की मानसिकता। बाजार में पैठ के बावजूद, प्रशासनिक, न्यायिक और उच्च शिक्षा के स्तर पर आज भी अंग्रेजी का वर्चस्व कायम है। हिंदी को रोजी-रोटी की भाषा और ज्ञान-विज्ञान की मानक भाषा बनाने की दिशा में अब भी गंभीर प्रयासों की आवश्यकता है।

मावी दिशा

हिंदी दिवस को केवल एक दिवसीय औपचारिक समारोह या पखवाड़े तक सीमित रखना इसकी मूल भावना के विपरीत है। वास्तविक अनुपालन के लिए हमें ठोस नीतिगत और सामाजिक कदम उठाने होंगे। संवैधानिक प्रावधानों का कठोरता से पालन। सरकारी काज-काज, पत्राचार और जन-कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सरल और सुगम हिंदी में उपलब्ध कराई जाए, ताकि आम नागरिक और शासन के बीच की दूरी कम हो। उच्च शिक्षा और तकनीक में समावेश। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप चिकित्सा, इंजीनियरिंग, कानून और उच्च तकनीकी विषयों की पाठ्यसामग्रियाँ हिंदी में मानक स्तर पर तैयार की जाएँ। सहजता और सर्वसमावेशिता। हिंदी को संकुचित या अत्यधिक क्लिष्ट बनाने के बजाय, क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों के जीवंत शब्दों को आत्मसात करने वाली समावेशी हिंदी को बढ़ावा दिया जाए।

अतीत के गौरव

हिंदी दिवस केवल अतीत के गौरव को याद करने का दिन नहीं, बल्कि अपनी मातृभाषा और राजभाषा के प्रति हमारी नैतिक व संवैधानिक प्रतिबद्धता का पुनर्मूल्यांकन करने का अवसर है। जब तक हिंदी ज्ञान, विज्ञान और रोजगार की मुख्यधारा की भाषा नहीं बनती, तब तक यह दिवस अधूरा ही रहेगा।

7
मंगलवार 15 सितंबर 2026

जग प्रेरणा

साहित्य अभिव्यक्ति

संपादकीय
लेख
कविता
व्यंग्य
महाशब्द पहेली (शब्द ज्ञान)

शक्ति का संयम और बुद्धि का विवेक हैं भगवान गणपति..

गणेश को समझना केवल एक देवता को समझना नहीं है, यह मनुष्य के भीतर छिपी उस शक्ति को समझना है जो बुद्धि को विवेक देती है, सामर्थ्य को दिशा देती है और सफलता को लोकमंगल से जोड़ती है। संसार में बुद्धिबल है, धनबल है, बाहुबल है, पदबल है और जनबल है, लेकिन इन सबका मूल्य तभी है जब इनके साथ विवेक और संतुलन हो। यही वह भाव है जिसे हम व्यापक अर्थ में गणेश बल कह सकते हैं।

बुद्धि हो और विवेक न हो तो बुद्धिमत्ता अहंकार बन सकती है। धन हो और शुचिता न हो तो संपत्ति लोभ का साधन बन सकती है। शक्ति हो और संयम न हो तो वही शक्ति हिंसा का रूप ले सकती है। गणेश का स्वरूप इन शक्तियों को संतुलित करने का सांकेतिक दर्शन प्रस्तुत करता है। इसीलिए भारतीय परंपरा में किसी शुभ कार्य के प्रारंभ में गणपति का स्मरण किया जाता है।

गणपति को अंतिम जन से जोड़कर देखना भी अत्यंत अर्थपूर्ण है। गणेश की आराधना के लिए वैभव अनिवार्य नहीं है। दूर्वां जैसी सहज उपलब्ध वनस्पति और सरल श्रद्धा भी पूजा का अंग बन सकती है। गणेश पूजा की यह सरलता उस भारतीय धार्मिक चेतना को व्यक्त करती है जिसमें ईश्वर तक पहुंच का अधिकार केवल संपन्न व्यक्ति तक सीमित नहीं माना गया।

उनका वाहन मूषक भी गहरा प्रतीक प्रस्तुत करता है। मूषक छोटा है, चंचल है और अंधकार में सक्रिय रहता है। गणेश का उसके ऊपर आरूढ़ होना इस बात का संकेत है कि विशाल बुद्धि को छोटी से छोटी प्रवृत्ति पर भी नियंत्रण रखना चाहिए। मनुष्य के भीतर की वासनाएं, इच्छाएं और चंचलताएं यदि अनियंत्रित रहें तो वही उसकी सबसे बड़ी बाधा बन जाती हैं। गणेश का मूषक पर नियंत्रण आत्मसंयम का संदेश देता है।

इस दृष्टि से गणेश की पूजा केवल मंदिर की परिक्रमा नहीं, बल्कि समाज के उस व्यक्ति तक पहुंचने का संकल्प भी हो सकती है जो व्यवस्था की अंतिम पंक्ति में खड़ा है। जिसके पास साधन कम हैं, लेकिन सम्मान और अवसर पाने का अधिकार उतना ही है जितना किसी संपन्न व्यक्ति का। अंतिम जन की सेवा में जब बुद्धि, धन और श्रम लगते हैं, तभी शक्ति का वास्तविक अर्थ प्रकट होता है।

आर्थिक जीवन में गणेश का संदेश और भी महत्वपूर्ण है। गणेश को केवल धन प्राप्ति का देवता मानना उनके व्यापक प्रतीकात्मक स्वरूप को सीमित कर देना होगा। वे बुद्धि और विवेक से जुड़े देवता हैं। आर्थिक समृद्धि केवल अधिक कमाने से नहीं आती, सही निर्णय, संयमित उपभोग, दूरदृष्टि और अनुशासित संचय भी आवश्यक हैं।

लंबोदर का स्वरूप भी इसी संदर्भ में सुंदर प्रतीक बन जाता है। मनुष्य को केवल अर्जन नहीं, जीवन के अनुभवों को पचाना भी सीखना चाहिए। आलोचना को पचाना, अपमान को पचाना, सफलता को पचाना और असफलता से सीख लेना – ये सब मानसिक परिपक्वता के संकेत हैं। धन भी यदि विवेक के बिना आए तो बोझ बन सकता है। इसलिए समृद्धि का पहला आधार शुद्ध निर्णय है।

मानसिक स्तर पर गणेश का स्वरूप मनुष्य को अपने भीतर के विघ्न पहचानने की प्रेरणा देता है। भय, संशय, अमरुक्षा, ईर्ष्या, क्रोध और निराशा ऐसे अदृश्य अवरोध हैं जो बाहर की किसी दीवार से अधिक शक्तिशाली हो सकते हैं। गणपति को विघ्नहर्ता कहना इसीलिए अत्यंत सार्थक है। बाहरी बाधा हटाना जितना महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण भीतर की बाधा को पहचानना है।

गणेश अथर्वशीर्ष में उन्हें मूलाधार में स्थित कहा गया है। योग परंपरा में मूलाधार को शरीर-मन की आधारभूत चेतना से जोड़ा जाता है। इसे आधुनिक मानसिक चिकित्सा का शाब्दिक पर्याय मानना उचित नहीं होगा, लेकिन प्रतीकात्मक रूप से यह संदेश अत्यंत गहरा है – ऊंचाई की यात्रा आधार की स्थिरता से शुरू होती है। जिस व्यक्ति के भीतर सुरक्षा, धैर्य और आत्मविश्वास का आधार कमजोर है, उसकी ऊंची उपलब्धियां भी अस्थिर हो सकती हैं।

गणेश का शरीर स्वयं एक दृश्य दर्शन है। विशाल मस्तक व्यापक चिंतन की प्रेरणा देता है। छोटे नेत्र सूक्ष्म दृष्टि का संकेत देते हैं। बड़े कान अधिक सुनने और कम बोलने की सीख देते हैं। एकदंत त्याग और एकाग्रता का प्रतीक माना जाता है। पौराणिक परंपरा में महाभारत के लेखन से उनके दंत के टूटने की कथा भी जुड़ी है। चाहे इसे धार्मिक आख्यान के रूप में देखें या प्रतीक के रूप में, संदेश यही है कि ज्ञान की साधना में सुविधा से अधिक समर्पण आवश्यक है।

गणपति की आराधना भारत की सीमाओं से बाहर भी दिखाई देती है। दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया की विभिन्न सांस्कृतिक परंपराओं में गणेश के अलग-अलग नाम और रूप मिलते हैं।

जापान में कांगितेन तथा थाई परंपरा में प्र प्रिक्कानेत जैसे रूप इसके उदाहरण हैं। यह सांस्कृतिक विस्तार बताता है कि गणेश की छवि केवल धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि ज्ञान, सफलता और बाधा-निवारण के व्यापक सांस्कृतिक प्रतीक के रूप में भी विकसित हुई।

नेतृत्व और राजनीति के स्तर पर गणपति शब्द स्वयं विचार का विषय है। गण अर्थात् समूह और पति अर्थात् स्वामी या अधिपति। नेतृत्व का वास्तविक अर्थ केवल आदेश देना नहीं, विविध स्वभावों और हितों वाले लोगों को एक उद्देश्य की ओर ले जाना है। जिस नेता के पास शक्ति तो हो लेकिन सुनने की क्षमता न हो, वह लंबे समय तक समाज का विश्वास नहीं रख सकता। यहीं गणेश बल की वास्तविक परीक्षा होती है। बुद्धिबल योजना बनाता है, धनबल साधन उपलब्ध कराता है, बाहुबल परिश्रम करता है और जनबल परिवर्तन को गति देता है, लेकिन इन सबको सही दिशा देने वाला विवेक बल न हो तो वही शक्तियां विनाशकारी भी हो सकती हैं।

इसलिए गणेश बल किसी चमत्कारी शक्ति का नाम नहीं, बल्कि शुभ संकल्प, शुद्ध बुद्धि, आत्मसंयम, विवेक, श्रम और लोकमंगल के समन्वय का नाम है।

आज अंतिम जन को गणेश से जोड़कर देखने का सबसे बड़ा अर्थ यही है कि हमारी बुद्धि केवल अपने लाभ के लिए न हो, हमारा धन केवल अपने उपभोग के लिए न हो और हमारा बाहुबल केवल अपनी सुरक्षा तक सीमित न रहे। यदि बुद्धि किसी भूखे के लिए समाधान खोजती है, धन किसी जरूरतमंद के जीवन में अवसर पैदा करता है और शक्ति किसी कमजोर की रक्षा में खड़ी होती है, तो वही शक्ति गणेश बल बन जाती है।

गणेश हमें सिखाते हैं कि विघ्न बाहर कम और भीतर अधिक होते हैं। रास्ते की बाधा हटाना सरल है, लेकिन अहंकार, लोभ, भय और अविवेक की दीवार गिराना कठिन है। जो मनुष्य इन आंतरिक विघ्नों पर विजय पा लेता है, वही वास्तव में बलवान है। इसलिए विनायक केवल आरंभ के देवता नहीं, सही आरंभ के देवता हैं। वे केवल सफलता की कामना नहीं, सफलता की शुचिता का प्रश्न भी खड़ा करते हैं। वे केवल शक्ति नहीं, शक्ति का संयम हैं, केवल बुद्धि नहीं, बुद्धि का विवेक हैं, केवल समृद्धि नहीं, समृद्धि का लोकमंगल हैं।

दैनिक जग प्रेरणा
में साहित्य लेख
रचनाएं प्रकाशन के
लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

आओ गौरी-नंदना..

आओ गौरी-नंदना, बैठे आसून आज।
सिद्धि-सिद्धि सँग लाड़ए, पूरण कीजै काज॥
पूरण कीजै काज, भक्त सब शीश झुकाते।
बजते बाजे ढोल, मोद मन माहि समाते॥
कह ‘गोकुल’ कविराय, कष्ट से मुक्ति दिलाओ।
भक्त पुकारें आपको, प्रेम से दौड़े आओ॥॥

सोहे सुंदर रूप अति, गल मोती की माल।
माथे पर सिंदूर छवि, मुकुट विराजे माल॥
मुकुट विराजे माल, कान सूपे-सम राजे।
चार गुंजा सुख-धाम, हाथ में मोदक साजे॥
कह ‘गोकुल’ कविराय,
नाग उदरबंद मोहे।
मूषक वाहन खास,
रूप लंबोदर सोहे॥2॥

प्रथम मनाएँ आपको,
राखो जन की लाज।
बुद्धि-ज्ञान हमको दियो,
सिद्ध करो सब काज॥
सिद्ध करो सब काज,
विघ्न-बाधा सब काटो।
दीन-दुखी जन देख,
प्रेम रस मधुरहि बाँटो॥
कह ‘गोकुल’ कविराय,
चरण नित शीश नवाएँ।
काटो भव का फट,
देव हम प्रथम मनाएँ॥3॥

लेखक

डॉ. गोवर्धन बिसेन
'गोकुल' गोदिया
(महाराष्ट्र)

मन..

वयों है नादान मेरे मन तू बता दे मुझको
वयों है इतने तेरे अरमान बता दे मुझको
सुख भरे दिन में वयों
फूला न समाता है तू
दुख भरी रात में वयों
आह लगाता है तू
वयों है हर पल तू परेशान बता दे मुझको
वयों है नादान मेरे मन तू बता दे मुझको

सच जो होता है वो
कहना मी नहीं है तुझको
न तो सहना है और
सुनना मी नहीं है तुझको
वयों है अंजाम से अंजान बता दे मुझको
वयों है नादान मेरे मन तू बता दे मुझको

लेखिका

मीना विवेक
जैन वारासिवनी

शब्दवर्गपहेली क्र.- 272

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11

12
13
14
15
16
17

18
19
20
21
22
23
24
25

26
27
28
29
30
31
32
33
34

35
36
37
38
39
40

41
42
43
44
45
46

47
48
49
50
51
52
53
54

55
56
57
58
59
60
61

62
63
64
65
66
67
68
69
70

71
72
73
74
75
76
77
78

79
80
81
82
83
84

85
86
87
88
89
90

91
92
93
94
95

96
97
98
99
100
101
102
103
104

105
106
107
108
109

110
111
112
113
114

ck; 1। nk; 1)

नाकामयाब 4)

कैंची से काटना 7)

चुक्ता 9)

सौ पंखुड़ियोंवाला फूल, कमल 11)

आधा 12)

तीन घंटे का समय 13)

परामर्श 14)

हरियाणा का वह स्थान जहां इतिहास प्रसिद्ध तीन लड़ाईयां लड़ी गयी थी 16)

पुनः जीवित करनेवाला 18)

न्यून 20)

ईसपनीति पुस्तक के रचयिता 22)

सांप 23)

रोड़ियों सिलोन पर मशहूर बिनाका गीतमाला बाद में इस नाम से पेश होता था 26)

मां के पिता 28)

दिल 30)

कृत्रिम जलमार्ग 31)

बलपूर्वक 33)

प्रणाम 34)

दमयंती का पति 35)

शहाजहान की बेगम 38)

विविध, अनेक 41)

वक्त 42)

प्रश्न – उत्तर 44)

आदर 45)

स्त्री 47)

जिससे की 48)

सखी 50)

अनोखा 51)

होश ठिकाने हो जाना इस अर्थ का एक मुहावरा 53)

शूकर 55)

सिक्ख धर्म के गुरु का नाम 57)

टेसू 59)

हवा 60)

डकार लेना 62)

किन्तु 64)

सूजी

66)

स्मृति 67)

मल हटानेवाला 69)

छुट्टी 71)

वर्तमान दिन 73)

अनाज 74)

परिवर्तन 76)

हिरासत, जेलखाना 78)

बनावटी 79)

प्रशंसा 81)

इन्द्रधनुष के रंगों की संख्या 82)

बकबक 84)

केला (संस्कृत) 85)

गला 86)

आलस न करनेवाला, आलस्य का अभाव 87)

बड़ा पत्थर 88)

पकड़ाना 91)

दंश करना 93)

भाव 94)

स्वास्थ्य 95)

सीमा 96)

सूधनी 99)

दुःखी को और दुःख देना इस अर्थ का एक मुहावरा 104)

रिवाज 105)

दुराचारी 107)

दुर्ग 108)

चिढ़ना या चिड़चिड़ाना 109)

कामधंधा 110)

पाकिस्तान का संक्षिप्त रूप 111)

रिश्ता 112)

उपवास, निराहार व्रत 113)

सिर के बालों में अगनेवाला एक कीड़ा 114)

कायम

Aij 1। ulpi 1& 1)

अपना बना लेना 2)

साथ 3)

अंतर 4)

हाथ का वह हिस्सा जहां घड़ी बांधी जाती है

5) पूर्णतः नष्ट 6) नापित 7) लंगड़ा-लूला 8) दानवीर, दाता 9) सौ 10) पहरेदार 11) अनादर 15) लेटना, फैलना 16) कठोर, घोर या दंडनीय 17) विजय 19) मां का स्नेह 21) मल्ल 24) नेहरुजी के प्रधानमंत्रीत्व काल में लागू की गई कामराज योजना के सूत्रधार 25) राज कुमार और हैमामालिनी द्वारा अभिनीत एक फिल्म 27) असंभव 29) हमारी राज्य सभा की एक भूतपूर्व उपाध्यक्षा 32) पहले से तैयार किया गया 36) युक्त या भरा हुआ अर्थवाला प्रत्यय के समान प्रयुक्त एक शब्द, एक राक्षस 37) आंखों में डाला जानेवाला एक काले रंग का अंजन 39) दुखियों पर दया करनेवाला, परमेश्वर 41) तंग करना, पीड़ित करना 43) नमक 44) छलपूर्ण रचना, किसी देवता की लीला 46) एक प्रकार का घाव जिसमें से मवाद निकलता रहता है 49) क्रीड़ा 52) पानी 54) प्रदीप कुमार और बीना राय की एक प्रसिद्ध हिट फिल्म इसका कथानक मुगलें आजम फिल्म से मिलता जुलता था 56) प्याला (अंग्रेजी) 58) नींबू के रस का एक पेय 59) बेहोश 61) कौआ 63) बेरंगी 65) बहस 67) उन्मत्त, नशे में चूर 68) खूब या शीघ्र बिकना अर्थवाला एक मुहावरा 70) बनावटी, नकली (दस्तावेज आदि) 71) आनेजाने की क्रिया 72) विष 75) झूठा 77) गंध 78) बड़ी नदी 80) चर्चा, बहस 81) सफेद रंग का एक फक्षी 83) यंत्र से निकला रुपया 84) खाली स्थान को घेरने के लिये बनाई गयी मोटे कपड़े की दीवार 87) शरीफ होने का भाव 89) अर्थ 90) कुदृष्टि 92) घमंड 93) सांस 94) तड़कने का भाव, चटक 95) सन्देश अथवा चिट्ठी – पत्रों ले जानेवाला, हरकारा 97) पाठ, नसीहत 98) निर्मिति, कृति 100) किन्तु 101) पत्र, पत्ता 102) सरिता 103) छीना जाना 104) आभा, प्रकाश, दीप्ति 106) वल्ली, बेल 109) करनेवाला अर्थवाला एक प्रत्यय (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब																			
घ	र	ण	सिं	ग	प्र	ह	स	न	ह	मे	शा	अ	ना	र	क	ली			
बा	ज	प	म	ह	क	मा	स	र	ह	द	गां	धी	ब	ह	ला	ना			
ना	नी	पा	ल	की	या	ला	चा	र	मी	ना	र	धा	र	दा	र		ट		
श	त	म	द	द	गा	र		र	न	ग	री	ग				श	क		
ज	क	ना	त		य	ज	ह	ज	म		दा	दा	मु	नि					
बा	जा	री	अ	न	क	ल	स	र	ला	स	र	ग	म	श					
न	मा	ज	घ	म	न	ल	या	र		मा	दा	ना	ता	गो	ता				
ब	ता	ना	क	रा	र	ना	मा	र	त	ना	य	ली	प	ज	टा	यु			
द	ब	द	ला	य	ना	अं	दा	ज	र	म	र	ह	म	औ					
ल	ब	रि	ती	ज	कै	त	य	शु	दा	ह	या	म	ह	ल					
ना	का	म	या	बी	ब	र	सा	त	पु	न	म	क	ह	ला	ल	प्र			
सु	दि	मा	ग	ग	प	थ	री	ला	का	ना	व	अ	ग						
अ	र	द	ली		ब	ङ	या	न	ल	या	म	न	अ	र	ब	प	ति		
घ	वा	ह	शं	ख	ना	द	च	मा	रि	न	क	प	द	मा					
म	त	ह	की	का	त	क	बी	र	दा	सा	क	ह	ना	न	मा	न	ना		
रा	जा	र	ट	र	ति	घ	म	प	र	ना	ना	श				च			

anumeya-08446302691

+ CMK



गाजे -बाजे और जयकारों के साथ घर - घर पहुंचे गणपति बप्पा, वारासिवनी में गणेशोत्सव की धूम

सार्वजनिक पंडालों के साथ घरों में भी हुई गणेश प्रतिमाओं की स्थापना, धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों का सिलसिला शुरू..

कैलाश कसार, जगप्रेरणा वारासिवनी।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर सोमवार को नगर में भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं की स्थापना के साथ गणेशोत्सव का शुभारंभ हुआ। सुबह से ही नगर के विभिन्न क्षेत्रों में गणेश प्रतिमाएं ले जाने का सिलसिला शुरू हो गया।

प्रतिमा निर्माता स्थलों से लोग अपने घरों और सार्वजनिक गणेशोत्सव पंडालों के लिए प्रतिमाएं लेकर बैड-बाजे और ढोल की धुन के साथ रवाना हुए। इस दौरान गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से नगर का वातावरण भक्तिमय नजर आया। गणेश चतुर्थी भगवान श्री गणेश के जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाती है।

भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र श्री गणेश को प्रथम पूज्य माना गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान गणेश की आराधना से विघ्न-बाधाएं दूर होती हैं और सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। इसी आस्था के साथ नगर में लोगों ने अपने घरों तथा विभिन्न स्थानों पर बनाए गए सार्वजनिक पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित कीं।



शुभ मुहूर्त में हुई गणपति की स्थापना

पंचांग के अनुसार इस वर्ष गणेश चतुर्थी 14 सितंबर, सोमवार को मनाई गई। चतुर्थी तिथि 14 सितंबर की सुबह करीब 7:06 बजे से शुरू होकर 15 सितंबर की सुबह 7:44 बजे तक रहेगी। गणेश प्रतिमा की स्थापना और पूजा के लिए मध्याह्न का समय शुभ माना गया। इसी शुभ समय में अनेक परिवारों और गणेशोत्सव समितियों ने विधि-विधान से भगवान गणेश की स्थापना कर पूजा-अर्चना की।

बैड-बाजे के साथ निकली गणेश प्रतिमाएं

नगर में गणेश प्रतिमाओं को घरों और पंडालों तक ले जाने के दौरान श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बना। कई परिवार बैड-बाजे के साथ प्रतिमा लेकर पहुंचे, वहीं सार्वजनिक गणेशोत्सव समितियों ने ढोल और बाजे की धुन के बीच गणपति बप्पा का स्वागत किया। रास्ते भर श्रद्धालु गणपति बप्पा मोरया के जयकारे लगाते हुए नजर आए।

पंडालों को दिया आकर्षक रूप

गणेशोत्सव को लेकर नगर के विभिन्न मोहल्लों में सार्वजनिक समितियों द्वारा आकर्षक पंडाल तैयार किए गए हैं। पंडालों में विद्युत सजावट, रंग-बिरंगी रोशनी और विभिन्न प्रकार की सजावट की गई है। कई समितियों द्वारा आगामी दिनों में पूजा-अर्चना के साथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

घर-घर में गणपति का स्वागत

सार्वजनिक पंडालों के साथ ही नगर के अनेक घरों में भी गणपति बप्पा की स्थापना की गई। परिवारों ने पूजा स्थल को सजाकर भगवान गणेश की प्रतिमा विराजित की तथा आरती और पूजन कर सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। बच्चों और युवाओं में भी गणेशोत्सव को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया।

अनंत चतुर्दशी तक रहेगा उत्सव का माहौल

गणेश चतुर्थी से शुरू हुआ गणेशोत्सव अनंत चतुर्दशी तक चलेगा। इस दौरान विभिन्न गणेश पंडालों में सुबह-शाम आरती, पूजा-अर्चना सहित धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के अवसर पर गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। हालांकि श्रद्धालु अपनी परंपरा के अनुसार एक, तीन, पांच, सात या अन्य निर्धारित दिनों में भी प्रतिमाओं का विसर्जन करते हैं।

खेत पाठशाला में आत्मा समिति ने बताए माहू से बचाव के उपाय, जैविक ब्रह्मास्त्र और नीम तेल का करे छिड़काव..

जगप्रेरणा लांजी।
खरीफसीजन में धान की फसल पर माहू, तना छेदक और शीथ ब्लाइट का प्रकोप बढ़ता देख कृषि विभाग आत्मा समिति द्वारा ग्राम पंचायत कालीमाटी, मनरी एवं रिसेवाड़ा में किसानों के बीच खेत पाठशाला का आयोजन किया गया।

इस दौरान कृषि अधिकारियों ने खेतों का निरीक्षण कर फसल की स्थिति देखी और किसानों को रासायनिक उपचार के साथ जैविक कीटनाशकों के उपयोग की जानकारी दी। किसानों को सलाह दी गई कि खेतों में लगातार पानी भरा न रखें और फसल की नियमित निगरानी करें।

खेत पाठशाला के दौरान अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में धान की फसल में माहू, तना छेदक, कर्पा एवं शीथ ब्लाइट का प्रकोप दिखाई दे रहा है। माहू के नियंत्रण के लिए किसानों को उपलब्ध विकल्पों में से किसी एक का उपयोग करने की सलाह दी गई। इनमें पाइमेटेजिन 50 प्रतिशत डब्ल्यूजी 100-120 ग्राम प्रति एकड़,



डाइनेटेफ्यूरान 20 प्रतिशत एसजी 100 ग्राम प्रति एकड़ अथवा ट्राइफ्लुमेजोपाइरिम 10.6 प्रतिशत एसजी 96 मिली प्रति एकड़ की मात्रा बताई गई।

शीथ ब्लाइट के लिए मी दी जानकारी

धान में शीथ ब्लाइट के नियंत्रण के लिए कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50 प्रतिशत डब्ल्यूजी 500 ग्राम एवं स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 6 ग्राम प्रति एकड़ के उपयोग की सलाह दी गई। कृषि अधिकारियों ने किसानों

को दवाओं का प्रयोग फसल की स्थिति एवं अनुशंसित मात्रा के अनुसार करने के लिए कहा।

जैविक उपायों पर भी जोर

खेत पाठशाला में रासायनिक दवाओं के साथ जैविक उपायों को भी बढ़ावा दिया गया। किसानों को ब्रह्मास्त्र एवं नीमास्त्र 3 से 5 लीटर प्रति एकड़ के उपयोग की जानकारी दी गई। इसके साथ ही देसी गाय के दूध से तैयार मट्टा 5 लीटर प्रति एकड़ उपयोग करने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने कहा कि किसान फसल की नियमित निगरानी करते रहें और कीट-रोग की शुरुआती अवस्था में ही आवश्यक नियंत्रण उपाय अपनाएं।

कार्यक्रम में कृषि विभाग आत्मा समिति के विकासखंड तकनीकी प्रबंधक अजय बिजेवार, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कुलदीप गणवीर, कृषि विस्तार अधिकारी कुलविन कुमार, अशोक नारनौर, प्रगतिशील कृषक मंसाराम आसोले, मधुकर हाथीमारे, पन्नालाल चौधरी सहित कृषि सखी सरिता लिझरे, शुक्रकला बसेना, उमेश्वरी बंसोड़, रूपा कंकरायणे, लीला राहंगडाले एवं निशा मस्करे सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

हरतालिका पर पूजे गए शिव- पार्वती, पति की दीर्घायु के लिए महिलाओं ने रखा कटोर व्रत..

जगप्रेरणा लांजी।
पति की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना को लेकर सुहागिन महिलाओं द्वारा रखा जाने वाला हरतालिका तीजा व्रत सोमवार, 14 सितंबर को नगर सहित पूरे क्षेत्र में आस्था,



श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। महिलाओं ने रात-दिन का निर्जला व्रत रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना की। सुबह से ही नगर के नदी, नालों, तालाबों और कुओं के आसपास महिलाओं की भीड़ नजर आई, जहां पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार बालू से गौरी-शंकर की प्रतिमा बनाकर 'गौर' निकाला गया। नगर में महिलाओं ने गणेशी तालाब के अलावा काशी नाला, कॉलेज रोड, कोटेश्वर मंदिर के समीप, राजा-रानी तालाब सहित विभिन्न तालाबों और कुओं पर पहुंचकर गौर निकाला। पूजा-अर्चना के बाद महिलाएं गौर को अपने घर लेकर पहुंचीं, जहां चौरंग सजाकर विधि-विधान से पूजन के लिए स्थापित किया

गया। गौर के ऊपर फुलेरा बांधकर उसे फूलों से आकर्षक रूप से सजाया गया।

शाम को हुई विशेष पूजा, कथा का किया श्रवण

शाम के समय महिलाओं ने गौर के समक्ष विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। भगवान शिव और माता पार्वती को फल, फूल, बेलपत्र सहित विभिन्न प्रकार के पकवान तैयार कर भोग लगाया गया। इसके बाद पंडित अथवा महिलाओं द्वारा हरतालिका तीजा व्रत की कथा का वाचन किया गया। महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक कथा का श्रवण कर अपने पति की लंबी आयु, परिवार की सुख-शांति और अखंड सौभाग्य की कामना

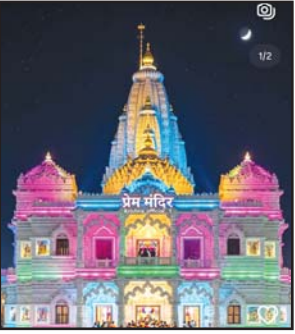
की। पूजन के दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को हल्दी-कुमकुम लगाकर सुहाग की मंगलकामनाएं दीं। हरतालिका तीजा के चलते घरों में पूरे दिन धार्मिक वातावरण बना रहा और महिलाएं पारंपरिक श्रृंगार के साथ व्रत-पूजन में जुटी रहीं।

आज होगा गौर का विसर्जन

हरतालिका तीजा व्रत का पारंपरिक समापन मंगलवार, 15 सितंबर को किया जाएगा। प्रातः महिलाएं विधि-विधान से गौर का विसर्जन करेंगी। इसके बाद एक-दूसरे को भुजलियां और प्रसादी भेंट कर हल्दी-कुमकुम लगाया जाएगा तथा सदा सुहागन रहने की मंगलकामना की जाएगी। गौर विसर्जन के साथ ही महिलाओं के निर्जला व्रत का पारंपरिक रूप से समापन होगा।

नवरात्र पर्व को लेकर सादर मित्र मंडल ने किया भूमिपूजन, विश्व प्रसिद्ध वृंदावन के प्रेम मंदिर थीम में बनेगा पंडाल..

जगप्रेरणा लांजी।
विश्व प्रसिद्ध वृंदावन के प्रेम मंदिर की भव्यता अब लांजी में देखने को मिलेगी। विश्वसूरैया चौक लांजी में सादर मित्र मंडल द्वारा इस वर्ष नवरात्रि पर्व पर वृंदावन के प्रेम मंदिर की प्रतिकृति के रूप में लगभग 60 फीट ऊंचा भव्य पंडाल बनाया जा रहा है।



साथ प्रेम मंदिर की अद्भुत झलक श्रद्धालुओं को आकर्षित करेगी।

पंडाल निर्माण के लिए भव्य भूमिपूजन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें समिति के सभी संरक्षक, सदस्य गण एवं लांजी के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सादर मित्र मंडल विगत कई वर्षों से भारत के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों को लांजी की जनता तक पहुंचाने के लिए

प्रतिबद्ध है। इसके तहत पूर्व में स्वयंभू गणेश मंदिर, केदारनाथ मंदिर, बद्रीनाथ मंदिर, जेजुरी मंदिर पुणे और जगन्नाथ पुरी मंदिर की भव्य प्रतिकृतियां बनाई जा चुकी हैं, जिन्हें क्षेत्र में खूब सराहना मिली थी। समिति ने बताया कि नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा, साथ ही गरबा महोत्सव एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ने से अगस्त में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 4.82 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली, (भाषा)।

प्याज और अन्य खाद्य वस्तुओं के महंगा होने से अगस्त महीने में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 4.82 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह भारतीय रिजर्व बैंक के मध्यम अवधि के लक्ष्य (चार प्रतिशत) से ऊपर बनी हुई है। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

इस बीच, थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति भी अगस्त में बढ़कर 9.92 प्रतिशत हो गई, जो जुलाई में 9.78 प्रतिशत थी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई में 4.45 प्रतिशत थी।

जनवरी से लागू 2024 आधार वर्ष वाली नई श्रृंखला के बाद से अगस्त की खुदरा मुद्रास्फीति का यह आंकड़ा अबतक सबसे अधिक है। अगले महीने की शुरुआत में जब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक होगी, तब नीतिगत ब्याज दरों पर फैसला करने में सीपीआई का यह बढ़ा हुआ स्तर एक प्रमुख कारक साबित होगा।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ)

द्वारा जारी अगस्त के सीपीआई आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति की दर क्रमशः 5.23 प्रतिशत और 4.31 प्रतिशत दर्ज की गई। अगस्त में खुदरा खाद्य मुद्रास्फीति बढ़कर 5.95 प्रतिशत हो गई, जो इससे पिछले महीने 5.52 प्रतिशत थी। प्याज की महंगाई दर जुलाई के 22.54 प्रतिशत की तुलना में अगस्त में उछलकर 48.27 प्रतिशत पर पहुंच गई। इस दौरान लहसुन और अदरक की कीमतों में भी तेजी से बढ़ोतरी हुई। दूसरी ओर टमाटर, आलू, भिंडी और परवल की कीमतों में गिरावट देखी गई।

राज्यों में सबसे अधिक खुदरा मुद्रास्फीति तेलंगाना में 6.27 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि सबसे कम मिजोरम में 2.35 प्रतिशत रही। केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति के पांच प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया है, जिसके दूसरी तिमाही में 4.7 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 5.9 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 5.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।



भारतीय रिजर्व बैंक ने मुद्रास्फीति की चिंताओं के बीच हाल ही में प्रमुख नीतिगत दर रेपो को यथावत रखा था। सरकार ने आरबीआई को मुद्रास्फीति को दो से छह प्रतिशत के दायरे में बनाए रखने की जिम्मेदारी दी है। इस बीच, खाद्य, ईंधन और विनिर्मित वस्तुओं के दाम बढ़ने से थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति भी अगस्त में बढ़कर 9.92 प्रतिशत हो गई, जो जुलाई में 9.78 प्रतिशत थी।

मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर टिप्पणी करते हुए किसिल के मुख्य अर्थशास्त्री धर्मकीर्ति

जोशी ने कहा कि ऊर्जा की बड़ी हुई कीमतें अनिवार्य रूप से अर्थव्यवस्था के व्यापक लागत ढांचे पर असर डालती हैं। उन्होंने बताया कि बुनियादी तौर पर व्यापक आर्थिक परिदृश्य बदल रहा है।

किसिल के मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि मजबूत वृद्धि ने मांग को बनाए रखा है, जबकि पश्चिम एशिया में नए सिरे से उपजे तनाव से कच्चे माल की लागत पर नया दबाव बन रहा है। जोशी ने कहा, "ये कारक मिलकर मौद्रिक नीति के लिए यथास्थिति बनाए रखने की गुंजाइश को कम कर रहे हैं। लंबे समय तक 'इंतजार करो और देखो' के रुख की गुंजाइश सीमित होती दिख रही है, और हमारा अनुमान है कि नीतिगत दरों में सख्ती का अगला दौर जल्द शुरू होगा।"

ब्रिकवर्क रेटिंग्स के शोध प्रमुख राजीव शरण ने अनुमान जताया कि प्रमुख मुद्रास्फीति 4.5 से पांच प्रतिशत के दायरे में सीमित रहेगी। मुख्य जोखिम यह है कि खाद्य पदार्थों की ऊंची थोक लागत और कच्चे माल की बढ़ती लागत अंततः खुदरा कीमतों को बढ़ा सकती हैं।

जहां सोने, चांदी, हीर जड़ित
आभूषणों की हर कृति में मिलता है..

समय का **स्पर्श** और **हर**
आभा में वंश की गरिमा..

शांति ज्वेलर्स..
नया सराफा,
मेन रोड, बालाघाट

परंपरा और मरठों के 38 साल

मंडला जिले में हिन्दी दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

हेमंत नायक

मो. 88273 19933

10 मंगलवार 15 सितंबर 2026

जग प्रेरणा

live मंडला नैनपुर

● बिछिया ● बीजाडांडी ● घुघरी ● मवई ● मोहगांव ● नारायणगंज ● निवास

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

45 दिन से खराब हैंडपंप, 80 आदिवासी परिवार बूंद-बूंद पानी को मोहताज..

जुनवानी पंचायत के धनगांव सरपंच टोला की स्थिति, स्कूल-आंगनवाड़ी के बच्चे भी परेशान, ग्रामीणों ने खुद ही मरम्मत का बीड़ा उठाया..

जगप्रेरणा घुघरी/मंडला। शासन-प्रशासन द्वारा विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा और आदिवासी परिवारों के उत्थान के लिए कई योजनाएं संचालित करने के दावे किए जाते हैं, लेकिन घुघरी मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत

जुनवानी के पोषक ग्राम धनगांव के सरपंच टोला में इन दावों की जमीनी हकीकत कुछ और ही नजर आ रही है। यहां करीब 80 बैगा-गोंड परिवार पिछले 45 दिनों से पेयजल के लिए परेशान हैं। मोहले का एकमात्र हैंडपंप खराब होने के कारण ग्रामीणों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। प्राथमिक शाला और आंगनवाड़ी में आने वाले बच्चों के सामने भी पेयजल की समस्या बनी हुई है।

डेढ़ माह से बंद पड़ा है इकलौता हैंडपंप..

ग्रामीणों के अनुसार मोहले में पेयजल का मुख्य साधन एकमात्र हैंडपंप है। करीब डेढ़ माह पहले हैंडपंप खराब हो गया। बताया जा रहा है कि पाइप में मोटर फंस जाने के कारण हैंडपंप जाम हो गया है। ग्रामीणों ने इसकी सूचना ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव को करीब एक माह पहले ही दे दी थी, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। ग्रामीणों का आरोप है कि पीएचई विभाग के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे थे, लेकिन बिना विस्तृत जांच किए हैंडपंप के नीचे धंस जाने की बात कहरक लौट गए। इसके बाद भी हैंडपंप सुधारने की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई



नहीं हुई।

अब ग्रामीण खुद निकाल रहे पाइप

लागातार इंतजार और जिम्मेदारों की अनदेखी से परेशान ग्रामीणों ने अब खुद ही हैंडपंप की मरम्मत का प्रयास शुरू कर दिया है। मोहले के लोग मिलकर पाइप बाहर निकालने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि किसी तरह हैंडपंप को चालू किया जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि जब पंचायत और विभाग ध्यान नहीं दे रहे हैं तो अब वे स्वयं समस्या का समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं। उनका कहना है कि लंबे समय से पानी की समस्या झेलने के बावजूद जिम्मेदारों द्वारा गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है।

मौके पर गए बिना कैसे पता चला कि हैंडपंप धंस गया?

इस मामले में ग्राम पंचायत जुनवानी के सचिव से जानकारी लेने पर उन्होंने हैंडपंप के नीचे धंस जाने की बात कही। वहीं, बातचीत में उन्होंने यह भी बताया कि वे स्वयं मौके पर नहीं गए हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि बिना मौके पर पहुंचे हैंडपंप के धंसने की स्थिति की जानकारी कैसे सामने आई। सचिव के अनुसार मौसम साफ होने के बाद वाहन बुलाकर हैंडपंप को सुधारने का प्रयास किया जाएगा।



योजनाओं के दावों के बीच मूलभूत सुविधा का संकट..

एक ओर शासन द्वारा आदिवासी क्षेत्रों में पेयजल सहित मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं के माध्यम से हर घर तक पानी पहुंचाने के दावे किए जा रहे हैं। दूसरी ओर धनगांव के सरपंच टोला में करीब 80 परिवारों का एकमात्र हैंडपंप 45 दिनों से बंद पड़ा है। इससे सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और स्थानीय स्तर पर निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ग्रामीणों ने दी कलेक्टर कार्यालय पहुंचने की चेतावनी..

ग्रामीणों ने कहा है कि यदि जल्द ही हैंडपंप की मरम्मत कराकर पेयजल व्यवस्था बहाल नहीं की गई तो मोहले के लोग अपनी समस्या लेकर कलेक्टर कार्यालय मंडला पहुंचेंगे। अब देखना होगा कि ग्रामीणों की इस समस्या पर प्रशासन कब तक संज्ञान लेता है और उन्हें पेयजल की सुविधा कब तक उपलब्ध हो पाती है।

पत्रकार परिषद कार्यालय में विराजे गजानंद

11 वर्षों से लगातार हो रही गणेश प्रतिमा की स्थापना, प्रतिदिन होगी पूजा-अर्चना..

जगप्रेरणा मंडला। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर सोमवार को श्रमजीवी पत्रकार परिषद कार्यालय में भगवान श्री गणेश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रतिमा स्थापित की गई।

जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल सहित परिषद के पदाधिकारियों और सदस्यों ने भगवान गजानन का पूजन कर फल-फूल, नैवेद्य सहित अन्य पूजन सामग्री अर्पित की मंत्रोच्चार के बीच गणेश प्रतिमा की स्थापना के बाद आरती की



गई। इस दौरान कार्यालय परिसर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा। उपस्थित पत्रकारों एवं श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश से सभी के सुख,

शांति, समृद्धि और मंगल की कामना की। पूजा के बाद प्रसाद का वितरण किया गया।

11 वर्षों से चली आ रही परंपरा..

जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल ने बताया कि श्रमजीवी पत्रकार परिषद कार्यालय में पिछले करीब 11 वर्षों से लगातार भगवान श्री गणेश की स्थापना की जा रही है। गणेश उत्सव के दौरान प्रतिदिन विधि-विधान से पूजन-अर्चना और आरती होगी तथा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भगवान गणेश विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता के रूप में पूजे जाते हैं। गणेश उत्सव के माध्यम से पत्रकार साधियों, उनके परिवारों और जिलेवासियों के सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की जाती है।

राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद में मंडला के चार पत्रकारों को मिली नई जिम्मेदारी..

महाअधिवेशन में पदाधिकारियों ने दिलाई शपथ, पत्रकारों की सुरक्षा और हितों पर हुई चर्चा..

जगप्रेरणा मंडला। जबलपुर में आयोजित राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के दो दिवसीय महाअधिवेशन में मंडला जिले के चार युवा पत्रकारों को संगठन में नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं। रोहित प्रशांत चौकसे को जिला उपाध्यक्ष, रोहित बघेल को जिला महासचिव, दीपक कछवाहा को मंडला तहसील अध्यक्ष और दीपक रजक को जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। नवीन दायित्वों की घोषणा राष्ट्रीय संयोजक नलिनकांत बाजपेयी, राष्ट्रीय संरक्षक गंगा पाठक, राष्ट्रीय अध्यक्ष परमानंद तिवारी सहित राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों की सहमति से की गई। इस दौरान मंच से नवनियुक्त पदाधिकारियों का पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया गया और उन्हें संगठन के प्रति जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की शपथ दिलाई गई। महाअधिवेशन में पत्रकारों की सुरक्षा, अधिमान्यता, आवास, बीमा सहित पत्रकारिता के क्षेत्र में आ रही विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल ने कहा



कि पत्रकार दिन-रात समाज की समस्याओं को शासन-प्रशासन और आमजन के सामने लाने का काम करते हैं। ग्रामीण और छोटे शहरों में सीमित संसाधनों के बावजूद पत्रकार जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाते हैं। ऐसे में पत्रकारों की सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था जरूरी है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। पत्रकारों को किसी भी दबाव से प्रभावित हुए बिना समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज को सामने

लाने का प्रयास करना चाहिए। पत्रकारिता केवल समाचार प्रकाशित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की समस्याओं को सामने लाना और शासन-प्रशासन को जनता की वास्तविक स्थिति से अवगत कराना भी पत्रकारों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

महाअधिवेशन के दौरान पत्रकारों ने संगठन की एकता बनाए रखने के साथ समाजहित में निर्भीक एवं निष्पक्ष पत्रकारिता करने का संकल्प लिया। प्रदेश उपाध्यक्ष रवेश दुबे, संभागीय उपाध्यक्ष संतोष बंटी पांडे और मंडला जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने नवनियुक्त पत्रकारों को बधाई दी।

कार्यक्रम में संरक्षक हनुमान तिवारी, समाज कल्याण प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष कैलाश डेहरिया, ओम बरमैया, किशोर रजक, राजेश यादव, साकिर खान, राजेन्द्र बंजारा, आशीष वैष्णव, फारूख खान, उमा यादव, सुनीता सैयाम, दीप्ती नरेलिया, रक्षा नामदेव, रोहित चौकसे, महेन्द्र झारिया, आकाश पटेल, अजय श्रीवास्तव, वीरेंद्र पटेल, गजेन्द्र पटेल, निशांत पटेल, शुभम बैरागी, रजनीश मारुवंश, शोभित रावत, हसीब खान, हीरा उईके, आकाश चक्रवर्ती, अनिल रजक, शौकत अली सहित अनेक पत्रकार मौजूद रहे।

जानलेवा बना विद्युतीकरण, चिरईडोंगरी में तिरछे पोल और झूलते तारों से ग्रामीण परेशान

एक माह से अधूरा पड़ा काम, स्ट्रीट लाइट बंद, ग्रामीण बोले- जल्द सुधार नहीं हुआ तो करेंगे आंदोलन..

जगप्रेरणा नारायणगंज/मंडला।

विकासखंड नारायणगंज की ग्राम पंचायत चिरईडोंगरी में आरडीएसएस योजना के तहत किया जा रहा विद्युतीकरण कार्य ग्रामीणों के लिए परेशानी और खतरे का कारण बन गया है।



ग्रामीणों ने ठेकेदार पर गुणवत्ताहीन कार्य और लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध जताया। उनका कहना है कि करीब एक माह पहले शुरू हुआ काम अब तक पूरा नहीं हो सका है। कई विद्युत पोल तिरछे हो गए हैं, जबकि तार जगह-जगह झूल रहे हैं।

मिट्टी में गाड़ दिए पोल, कांक्रिट का काम नहीं..

ग्रामीणों के मुताबिक नई विद्युत लाइन बिछाने

के दौरान अधिकांश पोलों को कांक्रिट से मजबूती देने के बजाय केवल मिट्टी में गाड़ दिया गया। इसके चलते कई पोल झुक गए हैं और इनके गिरने की आशंका बनी हुई है। वहीं केबलीकरण का काम भी कई स्थानों पर अधूरा पड़ा है। झूलते तारों के कारण ग्रामीणों को हर समय हादसे का डर बना रहता है।

स्ट्रीट लाइट बंद, अंधेरे में गुजर रही रात..

नई लाइन बिछाने के बाद गांव की स्ट्रीट लाइटें भी बंद हो गई हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ स्थानों पर लगाए गए बल्ब भी ठेकेदार के कर्मचारी निकालकर ले गए। इससे रात में गांव के कई हिस्सों में अंधेरा छाया रहता है। ग्रामीणों का दावा है कि झूलते तारों की चपेट में आने से दो लोग घायल हो चुके हैं। वहीं अंधेरे के कारण एक

ग्रामीण को सांप ने डंस लिया। इन घटनाओं के बाद ग्रामीणों में नाराजगी और भय दोनों बढ़ गया है।

शिकायतों के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई..

ग्रामीणों का कहना है कि

समस्या को लेकर ग्राम पंचायत के साथ बिजली विभाग के जेई, एई और संबंधित अधिकारियों को कई बार जानकारी दी जा चुकी है। इसके बावजूद अब तक विद्युत पोलों को दुरुस्त करने, झूलते तारों को सुरक्षित करने और अधूरा कार्य पूरा कराने की दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

एक सप्ताह का अल्टीमेटम..

ग्रामीणों ने प्रशासन और बिजली विभाग को एक सप्ताह का समय देते हुए कहा है कि इस अवधि में यदि अधूरे विद्युतीकरण कार्य को दुरुस्त कर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की गई तो गांव के युवा और ग्रामीण मिलकर आंदोलन करेंगे। ग्रामीणों ने मांग की है कि पूरे कार्य की गुणवत्ता की जांच कर दोषी ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की जाए और खतरनाक विद्युत पोल व तारों को तत्काल सुरक्षित किया जाए।

बारिश में जल एवं वेक्टर जनित बीमारियों का बढ़ा खतरा, सावधानी जरूरी..

सीएमएचओ ने जारी की एडवाइजरी, दूषित पानी और मच्छरों से बचाव की अपील..

जगप्रेरणा मंडला।

बारिश के मौसम में दूषित पानी और मच्छरों के कारण जल एवं वेक्टर जनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

इसे देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहनती ने जिलेवासियों के लिए स्वास्थ्य एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने नागरिकों से साफसफाई रखने, सुरक्षित पेयजल का उपयोग करने और मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाने की अपील की है।

दूषित पानी से इन बीमारियों का खतरा..

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार बारिश के दौरान दूषित पानी और अस्वच्छता के कारण दस्त, उल्टी-दस्त, पेचिस, डायरिया, पेट दर्द, पोलिया, टायफाइड और बुखार जैसी बीमारियां हो सकती हैं। इनसे बचाव के लिए पानी को उबालकर, फिल्टर या आरओ से शुद्ध करने के बाद ही पीने की सलाह दी गई है। हैंडपंप के पानी को भी छानकर उपयोग करना चाहिए। कुएँ, नदी, नाला, पोखर और झील के पानी का बिना शुद्ध किए



उपयोग नहीं करने की अपील की गई है।

बासी भोजन और गंदगी से रहें दूर

स्वास्थ्य विभाग ने सड़ी-गली सब्जियों और फलों के साथ बासी भोजन से बचने की सलाह दी है। भोजन करने और खाद्य पदार्थों को ढूँने से पहले तथा शौच के बाद साबुन से हाथ अच्छी तरह धोने और स्वच्छ शौचालय का उपयोग करने को कहा गया है।

जमा पानी में पनपते हैं मच्छर..

बारिश में मलेरिया, डेंगू, चिकिनगुनिया और फाइलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। घरों के आसपास पानी जमा न होने दें और गड्ढों को भर दें। पुराने टायर, कबाड़, कूलर और

पानी की टंकियों में पानी जमा होने से रोकें। कूलर व पानी की टंकियों को नियमित रूप से खाली कर साफकरते रहें।

बुखार आए तो कराएं जांच..

मच्छरों से बचाव के लिए रात में मच्छरदानी का उपयोग, पूरी आस्तीन के कपड़े पहनने और क्रीम, क्राइल व रिपेलेंट जैसे साधनों का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। शाम के समय खिड़की-दरवाजे बंद रखने को भी कहा गया है। बुखार आने पर तत्काल खून की जांच कराने की अपील की गई है।

मलेरिया मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से होता है, जबकि डेंगू एडीज मच्छर से फैलता है, जिसका लावा साफपानी में पनपता है। चिकित्सकिया में तेज बुखार के साथ शरीर व जोड़ों में तेज दर्द और चकते जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

लक्षण दिखें तो खुद दवा न लें..

स्वास्थ्य विभाग ने उल्टी-दस्त या बुखार जैसे लक्षण होने पर स्वयं उपचार नहीं करने और नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच व चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी है। ग्रामीण क्षेत्रों में आशा कार्यकर्ता के माध्यम से भी खून की जांच और आवश्यक दवाएं प्राप्त की जा सकती हैं। दस्त होने पर ओआरएस का घोल और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ लेते रहने की सलाह दी गई है।

दीपचंद रजक को मिली जिम्मेदारी, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के महामंत्री बने..

जगप्रेरणा निवास।

भारतीय जनता पार्टी

पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल

निवास की मंडल

कार्यकारिणी की घोषणा की

गई है। इसमें ग्राम भीखमपुर

निवासी एवं सामाजिक

गतिविधियों में

सक्रिय दीपचंद रजक को पिछड़ा

वर्ग मोर्चा मंडल निवास का महामंत्री

नियुक्त किया गया है। रजक लंबे समय से सामाजिक



संगठनों से जुड़े रहकर समाजहित के कार्यों में योगदान देते रहे हैं। उनकी नियुक्ति की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों और ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यकर्ताओं ने कहा कि दीपचंद रजक की कर्मठता, सरल व्यवहार और संगठन के प्रति निष्ठा से पिछड़ा वर्ग मोर्चा को मजबूती मिलेगी। नई जिम्मेदारी मिलने पर रजक ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए पूरी निष्ठा से दायित्व निभाने की बात कही।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्सअप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।



अंकुर टेस्ट टयुब बेबी एंड रिसर्व सेंटर

बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण

उपलब्ध सुविधाएँ:

- टेस्ट टयुब बेबी (IVF ET)
- इन्सीटे टेस्ट टयुब बेबी (ICSI)
- (IUI) आय.यु.आय.
- अधिक उम्र में मातृत्व
- ओवजन डोनेशन द्वारा
- बंद फॉलोपियन टयुब खोलना
- पुरुष बंधत्व निदान व उपचार
- शुक्राणु बैंक सुविधा
- सोनोग्राफी
- हार्मोन्स की जांच
- हार्मोन्स की गड़बड़ी की ईलाज
- पुरुषीन द्वारा ऑपरेशन

डॉ. संजीव चिटणवीस
अस्थि रोग विशेषज्ञ

डॉ.सो.प्रणिता चिटणवीस
प्रसूति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ

एक्सीडेंट हॉस्पिटल व अंकुर क्लिनिक

गाणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

12

मंगलवार 15 सितम्बर 2026

जग प्रेरणा

live

गोंदिया भंडारा

आमगांव

गोरेगांव

सड़क अर्जुनी

देवरी

सालोकसा

अर्जुनी मोरगांव

तिरोड़ा

लाखांदुर

साकोली

महावीर डेवलपर्स

गोरेगांव

1 महावीर कॉम्प्लेक्स

एन.एच.रोड, बस स्टैंड के पास

2. अश्वट विनारायक अपार्टमेंट

2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..

संपर्क -नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

गणेशोत्सव को विश्व पटल पर पहुंचाने की पहल, गोंदिया को मिलेगी अलग पहचान..

महाराष्ट्र की संस्कृति को प्रोत्साहन देने महाराष्ट्र सरकार की गणेशोत्सव पर पहल..

सोशल मीडिया के माध्यम से दुनिया देख सकेगी गोंदिया के गणेशोत्सव का नजारा..

जगप्रेरणा गोंदिया। महाराष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत की पहचान माने जाने वाले गणेशोत्सव को अब राष्ट्रीय सीमाओं से आगे वैश्विक मंच पर पहुंचाने के लिए व्यापक पहल शुरू की गई है। राज्य सरकार द्वारा गणेशोत्सव को 'राज्य महोत्सव' का दर्जा दिए जाने के बाद महाराष्ट्र की गणेशोत्सव परंपरा की आध्यात्मिक,

धार्मिक, सामाजिक, लोक परंपरागत समृद्धि को दुनिया के सामने रखने के उद्देश्य से जिला स्तर पर सूचना एवं जनसंवाद अभियान चलाया जाएगा। सार्वजनिक मंडलों की भव्य सजावट आकर्षक सिर्फ श्रृंखियों का उत्सव नहीं है, बल्कि राज्य की लोकसंस्कृति से गहराई से जुड़ी समृद्ध परंपरा है। घर-घर में स्थापित होने वाले गणपति से लेकर पीढ़ियों से चली आ रही पारिवारिक परंपराओं, स्थानीय गणेशोत्सव मंडलों के सामाजिक उपक्रमों, मूर्तिकला, हस्तकला, संगीत, नृत्य, लोककला और खान-पान की परंपराओं तक फैली इस सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने पहुंचाने का प्रयास इस अभियान के माध्यम से किया जाएगा।



गणेशोत्सव की ‘अपनी’ पहचान दुनिया के सामने लाने का आवाहन

गोंदिया जिले के विशिष्ट एवं अनूठे गणेशोत्सवों की पहचान कर उनका दस्तावेजीकरण करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। बड़े सार्वजनिक गणेश मंडलों के साथ-साथ छोटे मंडलों, घरेलू गणपति तथा वर्षों से परंपरागत रूप से मनाए जा रहे गणेशोत्सवों की जानकारी भी संकलित की जाएगी। इसके अंतर्गत गणेशोत्सव से जुड़ी ऐतिहासिक, धार्मिक, सामाजिक एवं कलात्मक विशेषताओं की जानकारी, फोटो, वीडियो, साक्षात्कार तथा नागरिकों की स्मृतियां और अनुभव संकलित किए जाएंगे। स्थानीय कलाकारों, मूर्तिकारों, कारीगरों, हस्तशिल्पकारों एवं लोक कलाकारों के योगदान को भी इस माध्यम से व्यापक पहचान दिलाई जाएगी।

एक विलक पर दिखाई दे सकेगी महाराष्ट्र के गणेशोत्सव की सांस्कृतिक झलक..

गौरतलब है कि गणेशोत्सव से संबंधित संकलित जानकारी को **bappa.org** के अधिकृत डिजिटल मंच से जोड़ा जाएगा। इसके माध्यम से गोंदिया सहित महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों की गणेशोत्सव परंपराओं का व्यापक एवं स्थायी डिजिटल सांस्कृतिक दस्तावेज तैयार करने का उद्देश्य है। आज के डिजिटल युग में स्थानीय परंपराओं का दस्तावेजीकरण केवल प्रचार-प्रसार का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने का महत्वपूर्ण अवसर भी है। इसलिए जिले के नागरिकों, गणेश मंडलों, कलाकारों, कारीगरों, सांस्कृतिक संस्थाओं एवं गणेश भक्तों से अपने क्षेत्र के विशिष्ट गणेशोत्सव की जानकारी, फोटो, वीडियो एवं अपनी स्मृतियां इस अभियान से जोड़ने का आवाहन किया गया है।

गोंदिया की संस्कृति, महाराष्ट्र का गौरव और दुनिया के लिए..

गणेशोत्सव के माध्यम से महाराष्ट्र की एकता, सामाजिक सहभागिता, लोककला, उद्यमशीलता और सांस्कृतिक विविधता को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है। यूनेस्को सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता एवं गौरव प्राप्त करने के व्यापक उद्देश्य की दिशा में जिला स्तर से किया जा रहा यह योगदान महत्वपूर्ण साबित होगा। गोंदिया जिले का प्रत्येक विशिष्ट गणेशोत्सव, प्रत्येक कलाकार की कला, प्रत्येक परिवार की परंपरा और प्रत्येक नागरिक की स्मृतियों में बसे 'बाप्पा' महाराष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इन अनूठी परंपराओं को विश्व मंच तक पहुंचाने के लिए नागरिकों से उत्स्फूर्त सहभागिता का आवाहन किया गया है।

गणेश मंडलों से जानकारी साझा करने की अपील

सार्वजनिक रूप से गणेश प्रतिमा स्थापित करने वाले गणेशोत्सव मंडलों से जिला सूचना कार्यालय द्वारा आवाहन किया गया है कि वे अपने गणेशोत्सव की विशेष एवं उल्लेखनीय जानकारी जिला सूचना कार्यालय के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक : **Dio-gondia**, इंस्टाग्राम : **dio-gondia**, ट्विटर : **@Info-Gondia**, यूट्यूब : **DIO GONDIA**, ब्लॉग : **DIO Gondia** पर टैग करें। इसके साथ ही गणेशोत्सव से संबंधित समाचार एवं जानकारी **diogondianews@gmail.com** पर भी भेजने का आवाहन किया गया है।

आपले सरकार सेवा केंद्र के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू, गोंदिया जिले के 461 सेवा केंद्रों के लिए आवेदन आमंत्रित..

जगप्रेरणा गोंदिया। महाराष्ट्र शासन के सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा जारी विभिन्न शासन निर्णयों के अनुसार गुणांकन आधारित चयन प्रक्रिया के तहत गोंदिया जिले में रिक्त 'आपले सरकार सेवा केंद्रों' के लिए पात्र आवेदकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। गोंदिया जिले के

ग्राम पंचायत क्षेत्रों में 455 तथा नगर परिषद/नगर पंचायत क्षेत्रों में 6, इस प्रकार कुल 461 आपले सरकार सेवा केंद्रों के लिए आवेदन मंगाए गए हैं। चयन प्रक्रिया के लिए शासन निर्णयों के अनुसार कुल 100 अंकों के गुणांकन के आधार पर चयन किया जाएगा।

ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया..

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 11 सितंबर 2026 को सुबह 10 बजे से शुरू हो चुकी है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 28 सितंबर

2026 को शाम 6 बजे तक निर्धारित की गई है। प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों की जानकारी 1 अक्टूबर 2026 को शाम 5 बजे तक जिला प्रशासन की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी। प्राप्त आवेदनों पर आपत्ति होने पर 5 से 7 अक्टूबर 2026 के दौरान कार्यालयीन समय में जिलाधिकारी कार्यालय की सेतु शाखा में लिखित रूप से आपत्ति दर्ज कराई जा सकेगी। साक्षात्कार के लिए पात्र आवेदकों की अंतिम सूची 12 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर 13 से 16 अक्टूबर 2026 के बीच साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। चयनित उम्मीदवारों की सूची 21 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

आवेदकों के लिए महत्वपूर्ण निर्देश

‘आपले सरकार सेवा केंद्र’ के लिए आवेदन करने वाला आवेदक संबंधित भौगोलिक क्षेत्र का निवासी होना आवश्यक है। इसके साथ ही आवेदक को मराठी एवं अंग्रेजी भाषा का ज्ञान होना अनिवार्य है। प्रत्येक आवेदक को केवल एक ही आपले सरकार सेवा केंद्र के लिए आवेदन करने की अनुमति होगी। शासन के 9

जुलाई 2026 के शुद्धिपत्र के अनुसार आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन आवेदन के साथ अपलोड करना अनिवार्य है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन प्रणाली में अलग से बटन उपलब्ध कराया गया है। आपले सरकार सेवा केंद्र के लिए आवेदन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन रखी गई है। पात्र आवेदक गोंदिया जिला प्रशासन की वेबसाइट **gondia.gov.in** अथवा आपले सरकार सेवा केंद्र आवेदन पोर्टल **as-skgondia.gov.in** पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया, शुल्क, समय-सारणी, नियम एवं शर्तें, आवश्यक दस्तावेज, चयन प्रक्रिया में अंकों का विभाजन, रिक्त सेवा केंद्रों की क्षेत्रवार सूची तथा 9 जुलाई 2026 का शुद्धिपत्र उपलब्ध कराया गया है। जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए निर्धारित ऑनलाइन माध्यम के अलावा ई-मेल, डाक अथवा हार्ड कॉपी के माध्यम से प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इस संबंध में आवेदकों को विशेष सावधानी बरतने की अपील की गई है। यह जानकारी निवासी उपजिलाधिकारी तथा जिला सेतु समिति के सदस्य सचिव भैय्यासाहेब बेहेरे ने दी है।

राष्ट्रीय गो चैंपियनशिप में महाराष्ट्र का जलवा : राज्य के सभी खिलाड़ियों ने जीते पदक

जगप्रेरणा गोंदिया। शिरडी में संपन्न हुई चौथी राष्ट्रीय गो चैंपियनशिप में मेजबान महाराष्ट्र के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर इतिहास रच दिया। इंडियन गो एमेच्योर एसोसिएशन और गो एसोसिएशन ऑफमहाराष्ट्र द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में देशभर के 18 राज्यों से 300 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। तीन दिन तक चले बौद्धिक महकुंभ में महाराष्ट्र के खिलाड़ियों ने अपनी रणनीति, एकाग्रता और धैर्य का बेहतरीन नमूना पेश किया। खास बात यह रही कि महाराष्ट्र टीम के सभी खिलाड़ियों ने पदक जीतकर शत-प्रतिशत परिणाम दिया। पुरस्कार वितरण समारोह में इंडियन गो एमेच्योर संगठन के प्रशासकीय सचिव चंदन पांडे ने कहा कि गो सिर्फखेल नहीं, बल्कि मानसिक विकास का माध्यम है। इस अवसर पर कार्यकारी अधिकारी डॉ. कुमार, विभागीय तांत्रिक अधिकारी नाशिक गजानन टेकाडे, साईबाबा जूनियर कॉलेज के प्राचार्य संतोष औताडे, समाजसेवी अहमद लालानी और गो एसोसिएशन ऑफमहाराष्ट्र के सचिव अनिल सहारे मंच पर उपस्थित रहे। महाराष्ट्र के खिलाड़ियों की इस ऐतिहासिक जीत पर विनय काथवटे, बरकत बेग, एकनाथ बर्वे, मिलिंद रहांगडाले, भावेश नागरिकर, दीपमाला कुंडेटरकर, मनीषा पटले, टिकेश कापसे, चौधरी जी सहित क्रीड़ा प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी विजेताओं का भव्य अभिनंदन किया।



गोंदिया जिले में गणेशोत्सव शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए पुलिस प्रशासन सजग..

ध्वनि प्रदूषण होने पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश.. असाમાजिक तत्वों पर रहेगी पैनी नजर..

जगप्रेरणा गोंदिया। जिले में गणेशोत्सव शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हो, इसके लिए पुलिस एवं जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। सार्वजनिक गणेश मंडलों, 'एक गांव एक गणपति' पहल तथा घरेलू गणेशोत्सव को देखते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने और ध्वनि

प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए पुलिस व्यवस्था को पूरी तरह सज्ज रखा जाएगा। यह जानकारी पुलिस प्रशासन ने दी है। वर्ष 2026 में जिले में 700 सार्वजनिक गणेश मंडल, 445 'एक गांव एक गणपति' तथा 5 हजार 950 निजी गणपति स्थापित होने की संभावना है।

जिले के 16 पुलिस थानों के कार्यक्षेत्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस वर्ष सार्वजनिक गणेश मंडलों की संख्या में 4, 'एक गांव एक गणपति' के तहत गणपतियों की संख्या में 5 तथा निजी गणपतियों की संख्या में 20 की वृद्धि होने का अनुमान है।

निर्धारित ध्वनि सीमा का करना होगा पालन

गणेशोत्सव के दौरान पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 तथा ध्वनि प्रदूषण नियम 2000 के प्रावधानों के अनुसार औद्योगिक क्षेत्र में अधिकतम 75 डेसिबल, आवासीय क्षेत्रों में 65 डेसिबल तथा सार्वजनिक अस्पतालों के परिसर में 55 डेसिबल से अधिक ध्वनि नहीं होनी चाहिए। इन नियमों का उल्लंघन करने पर पुलिस प्रशासन को कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। जिन क्षेत्रों में डीजे की अनुमति है, वहां भी निर्धारित ध्वनि सीमा का पालन करना अनिवार्य होगा। निर्धारित सीमा से अधिक



आवाज होने पर संबंधित गणेश मंडल तथा डीजे चालक-मालिक के विरुद्ध तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डीजे के तेज एवं कर्कश ध्वनि से नागरिकों के जनजीवन पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े, इसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा गणेश विसर्जन रैली के दौरान लेजर लाइट, मिड मिक्सर एवं मिक्सर लाइट का उपयोग नहीं करने के संबंध में भी कड़े निर्देश जारी किए गए हैं।

सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान..

गणेशोत्सव जिले में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। उत्सव के दौरान विभिन्न स्थानों पर गणेश प्रतिमाओं की स्थापना, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा विसर्जन जुलूस आयोजित किए जाते हैं। इसे देखते हुए नागरिकों की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था एवं सार्वजनिक शांति को प्राथमिकता देते हुए पुलिस एवं प्रशासन द्वारा व्यापक नियोजन किया जा रहा है। सार्वजनिक गणेश मंडलों से प्रशासन द्वारा निर्धारित सभी नियमों का पालन करने की अपील की गई है। मंडलों को ध्वनिक्षेपक का उपयोग, जुलूस, यातायात, मंडप व्यवस्था एवं विद्युत सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखना होगा। साथ ही 'एक गांव एक गणपति' पहल के माध्यम से सामाजिक सद्भाव, भाईचारे एवं शांति का संदेश देते हुए गणेशोत्सव मनाने का आवाहन किया गया है।

अफवाहों पर ध्यान न दें..

गणेशोत्सव के दौरान अफवाहों, आपत्तिजनक संदेशों अथवा समाज में तनाव एवं वैमनस्य पैदा करने वाली जानकारी पर नागरिक विश्वास न करें। कोई भी अनुचित घटना या संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल संबंधित पुलिस प्रशासन को इसकी जानकारी देने की अपील की गई है।

पर्यावरणपूरक गणेशोत्सव मनाने का आवाहन

गणेशोत्सव पर्यावरणपूरक तरीके से मनाने के लिए नागरिकों से पर्यावरण अनुकूल गणेश प्रतिमाओं का उपयोग करने की अपील की गई है। सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखें तथा गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए निर्धारित विसर्जन स्थलों का ही उपयोग करें। पुलिस एवं जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि गणेशोत्सव आनंद, श्रद्धा एवं सामाजिक एकता का पर्व है। इसलिए प्रशासन का सहयोग करते हुए शांति, सुरक्षा एवं सामाजिक सद्भाव बनाए रखें और गणेशोत्सव को उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाएं।

न.मा.द. महाविद्यालय परिसर में की गई धुमधाम से भगवान गणेश प्रतिमा की स्थापना..

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया शहर में अनेक चौक चौराहों पर प्रतिवर्ष गणेश उत्सव की प्रतिमाएं धुमधाम से स्थापित की जाती है, लेकिन इस वर्ष गोंदिया शहर के सबसे प्राचीन शिक्षा संस्थान नटवरलाल माणिकलाल देवल महाविद्यालय में भी भगवान श्री गणेश की प्रतिमा

स्थापित की गई है। आज गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर न.मा.द. महाविद्यालय परिसर में मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ भगवान श्री गणेशजी प्रतिमा की विधिवत स्थापना की गई। गणपति वप्पा के आगमन पर महाविद्यालय परिसर में भगवान श्री गणेश की प्रतिमाएं स्थापित करने से पहले श्रद्धालुओं और महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने 'गणपति वप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया के जमकर जय घोष किये, तो वहीं छात्राएं भी सज धज कर लेझिम नृत्य करते हुए अपने आराध्य भगवान श्री गणेश को लेकर भक्ति और उत्साह के साथ



महाविद्यालय परिसर में लेकर पहुंची। इस अवसर पर सांसद तथा गोंदिया शिक्षण संस्था के सचिव राजेंद्र जैन व संचालक निखिल जैन ने उपस्थित होकर भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना एवं आरती की। उन्होंने सभी को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं देते हुए भगवान गणेशजी सभी को

ज्ञान, बुद्धि, विवेक एवं जीवन में समृद्धि की कामना की। गणेशोत्सव के माध्यम से विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता की भावना को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रविंद्र मोहतुरे तथा प्राध्यापक गण, शिक्षकेतर कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

दरिया • मेटिस • कारपेट्स • डोरमेट्स • शॉल ब्लैकटैट्स • स्कूल की भोजन पतिर्था • ताइपत्री

मच्छरदानी • ग्रीन नेट • चादरे

वेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता

रमनकुमार मेठी हैंडलूम हाउस

पीन नेट

कारपेट्स

माछरदानी

डोरमेट्स

ब्लैकटैट्स

वेड शीट्स

अलग क्वालिटी काबिज दाम इमारी पहचान

9890696200

होम डिलीवरी की सुविधा

मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया | थोक व चिल्लर विक्रेता

TYRE WORLD

(अपोलो टायर्स के अधिकृत विक्रेता)

★ टायर ★ अलार्डनमेन्ट

★ बैलेंसिंग ★ नाइट्रोजन

हिंदुरस्थान ऑटोमोबाईल के पास, रामनगर, गोंदिया

79991 54494, 98233 95921

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक – स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक – आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एम्पी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल – jagprernaw@gmail.com

+CMYK